RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 112 ● भिलाई, मंगलवार 04 नवम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

सीएम कैंप ऑफिस को लेकर भाजपा का झूठ बेनकाब : मान

चंडीगढ़। बेबुनियाद प्रचार से प्रदेश के लोगों को गुमराह करने के लिए भाजपा की आलोचना करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भगवा पार्टी के नेताओं को 'शीश महल' के बारे में अपने दावों को प्रमाणित सबूतों के साथ साबित करने की चुनौती दी। एक वीडियो संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा नेतृत्व देश भर में खास तौर पर गुजरात में आम आदमी पार्टी के बढ़ रहे आधार से हैरान है, जिस कारण वह ऐसे घटिया हथकंडे अपना रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के खिलाफ कोई ठोस मुद्दा न होने के कारण भाजपा जहर उगलकर पंजाबियों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि भगवा पार्टी के पास प्रदेश के लिए कोई रोडमैप नहीं है, जिस कारण यह पार्टी प्रदेश सरकार को बदनाम करने के लिए तोड़-मरोड़कर पेश किए गए वीडियोज और ऐसे बेतुके दावों का सहारा लेने की कोशिश कर रही है।

आतंकवाद कश्मीर को आगे बढ़ने से रोक नहीं सकता

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर शहर से कश्मीर मैराथन के दूसरे संस्करण को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों से आए एथलीट इस दौड़ में शामिल हुए। यह दौड़ सुबह 6 बजे शहर के रेजीडेंसी रोड इलाके में पोलो व्यू से शुरू हुई। कश्मीर मैराथन का आयोजन कश्मीर पर्यटन विभाग और जम्मू-कश्मीर खेल परिषद के सहयोग से हुआ। इस दौड़ में जर्मनी, डेनमार्क, अमेरिका, इथियोपिया, केन्या, जापान और श्रीलंका सहित 27 राज्यों और 11 देशों के 1,500 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला शीर्ष प्रशासनिक, पुलिस अधिकारी और कई बॉलीवुड हस्ती ध्वजारोहण समारोह में शामिल हुए। जब धावकों ने डल झील के चारों ओर बुलेवार्ड रोड पर दौड़ शुरू की तो स्थानीय लोगों ने उनका उत्साह बढ़ाया।

सरकार बनते ही दो महीने में सभी अपराधी जाएंगे जेल-तेजस्वी

पटना। बिहार में जदयू नेता अनंत सिंह की गिरफ्तारी के बाद महागठबंधन की ओर से सीएम पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने एनडीए पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मोकामा में जिस तरह की घटना घटी, वह तो होनी ही थी। तेजस्वी यादव ने ऐलान किया है कि उनकी सरकार आने के बाद दो महीने के भीतर सभी अपराधियों को जेल भेजने का काम किया जाएगा। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि रोहतास में पिता-पुत्र की हत्या कर दी गई। बिहार में लगातार महाजंगलराज की स्थिति बनी हुई है। बिहार में एक दिन ऐसा नहीं बीत रहा, जब गोलियां न चल रही हों। यह एनडीए को दिखाई नहीं देता। आज प्रधानमंत्री आ रहे हैं, लेकिन बिहार की स्थिति बहुत खराब है। तेजस्वी यादव ने दावा किया है कि 14 नवंबर को महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है। 18 नवंबर को हम शपथ लेंगे। 26 नवंबर से 26 जनवरी के बीच जाति-धर्म से परे हर अपराधी को जेल भेजा जाएगा। राजद नेता ने कहा कि इस बार स्पष्ट है कि बिहार की जनता महागठबंधन की सरकार बनाने जा रही है। पीएम मोदी को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात में फैक्ट्री लगाते हैं और बिहार में वे विक्ट्री चाहते हैं।

राजधानी जयपुर के हरमाड़ा इलाके में सोमवार दोपहर एक भयावह सड़क हादसे

हरमाड़ा में डंपर ने कई वाहनों को टक्कर मारी-13 की मौत..

जयपुर/ एजेंसी

जयपुर के हरमाड़ा इलाके में तेज रफ्तार डंपर ने सोमवार दोपहर तबाही मचा दी. डंपर ने अपने सामने आए कई वाहनों को टक्कर मारी जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई व 10 घायल हो गए. जयपुर के जिला कलेक्टर जितेंद्र कुमार सोनी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि यह डंपर रोड नंबर 14 से लोहा मंडी पेट्रोल पंप की ओर तेज गति से जा रहा था और रास्ते में आने वाले वाहनों को टक्कर मारता चला गया. सोनी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 13 लोगों की मौत हो गई और 10 घायल हो गए. घायलों का एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में इलाज किया जा रहा है और कई की हालत गंभीर है. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा तथा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने घटना पर दुख व्यक्त किया है. शर्मा ने 'एक्स' पर लिखा, जयपुर के हरमाड़ा स्थित लोहामंडी क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है. संबंधित अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है. पुलिस के अनुसार, यह भीषण टक्कर लोहा मंडी के पास हुई जब कथित तौर पर शराब के नशे में धुत डंपर चालक ने कम से कम 17 वाहनों को टक्कर मारी और फिर एक अन्य ट्रेलर से टकराकर रुक गया. हादसा इतना भयावह था कि डंपर की चपेट में आने वाले लोगों के शव सड़क पर ईधर-उधर पड़े थे. कई मोटरसाइकिल डंपर के पहियों के नीचे आकर कुचल गईं. अनेक कारें भी चकनाचूर हुईं. प्रत्यक्षदर्शियों ने इस दृश्य को 'नरसंहार' से कम नहीं बताया. स्थानीय दुकानदार महेश शर्मा ने कहा, हमने लोगों को क्षतिग्रस्त कारों से एक के बाद एक शव निकालते देखा. कुछ अंदर फंसे हुए थे, कुछ सड़क पर पड़े थे. चारों ओर अफरा-तफरी, चीख-पुकार और खून ही खून था. घटनास्थल पर मौजूद अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजीव पचार ने बताया कि

सीसीटीवी फुटेज सामने आया

हरमाड़ा रोड पर हुए इस भयानक हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें साफ तौर पर देखा जा सकता है कि किस तरह यमदूत के रूप में आए तेज रफ्तार डंपर ने राह चलते लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा और सुरेश सिंह रावत को ट्रॉमा सेंटर भेजा है, जहां पर चिकित्सकों से घायलों को बेहतर से बेहतर सुविधा देने के निर्देश दे रहे हैं। हालांकि इससे पहले ट्रॉमा सेंटर के नोडल अधिकारी बीएल यादव का कहना है कि घायलों का उपचार चल रहा है कुछ घायलों को कांवटिया में भेजा गया है।

डम्पर चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहा था और उसने एक कार को टक्कर मार दी, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने उसका पीछा किया. उनके मुताबिक, उसने डंपर को और तेज रफ्तार से चलाया और सड़क पर पैदल चल रहे लोगों और बाइक सवारों को टक्कर मार दी. उन्होंने बताया कि इसके बाद, दिल्ली-अजमेर राजमार्ग पर एक ट्रेलर ट्रक और एक कार से टकराने के बाद वह रुक गया. चालक के शराब के नशे में होने पर उन्होंने कहा, चूंकि आरोपी चालक खुद घायल है. मेडिकल जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी. लेकिन जिस तरह की दुर्घटना है वह निश्चित रूप से किसी नशे में हो सकता है या कोई मेडिकल कारण हो सकता है. सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में डंपर को 100 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से दौड़ते हुए वाहनों को टक्कर मारते और मोटरसाइकिल सवारों को कुचलते हुए देखा जा सकता है. स्थानीय लोगों ने चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया. पीड़ितों में आगरा के एक परिवार के सदस्य नानजी भाई, उनके भाई, दो महिलाएं और एक बच्चा शामिल हैं, जो खाटूश्यामजी से पूजा-अर्चना करके लौट रहे थे. नानजी भाई ने कहा, हमारी कार सड़क किनारे खड़ी थी तभी डंपर ने उसे पीछे से टक्कर मार दी. परिवार के पांच लोग घायल हो गए हैं. मृतक महेंद्र (38) के रिश्तेदार राकेश ने बताया कि उनके बड़े भाई की दो बेटियां वर्षा (19) और भानु (5) अपने चाचा के साथ दिवाली मनाने जयपुर आई थीं और छुट्टियों के बाद महेंद्र दोनों बच्चियों को बस स्टैंड पर बस में चढ.ाने गया था, तभी यह हादसा हुआ. उन्होंने बताया कि वर्षा ट्रॉमा सेंटर में भर्ती है जबकि महेंद्र और भानु की मौत हो गई है. इस दुर्घटना के बाद इलाके के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।

ट्रॉमा सेंटर के बाहर परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल

हादसे के बाद से ट्रॉमा सेंटर के बाहर परिजनों का कोहराम मचा हुआ है। कई परिवारों के सदस्य शोक में बेसुध हो गए। मृतकों में सीकर और निवाई के कई लोग शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, मृतकों में महेश मीणा और सुरेश मीणा भी शामिल हैं, जो काम से जयपुर लौटते समय हादसे की चपेट में आ गए। उनके परिवारजन का कहना है कि दोनों शादी-ब्याह के आयोजनों में पूड़िया तलने का काम करते थे और रोजमर्रा की मजदूरी पर जयपुर आए थे।

अस्पताल और हादसे वाले क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा, नेताओं ने जताया शोक

हादसे के बाद पुलिस ने अस्पतालों और दुर्घटनास्थल पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं ताकि स्थिति पर नियंत्रण बना रहे। वहीं, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और पीसीसी प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा ने इस भीषण सड़क हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। सभी नेताओं ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। जयपुर के हरमाड़ा में एक भीषण सड़क हादसे में बड़ी जनहानि का समाचार सुनकर बेहद दुख हुआ है। मैं इस हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगतजनों की आत्मा को शांति एवं परिजनों को संबल एवं धैर्य प्रदान करें।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जताया दुख

हादसे के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि जयपुर के हरमाड़ा में एक भीषण सड़क हादसे में बड़ी जनहानि का समाचार सुनकर बेहद दुख हुआ है। मैं इस हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगतजनों की आत्मा को शांति एवं परिजनों को संबल एवं धैर्य प्रदान करें। जयपुर के हरमाड़ा में एक भीषण सड़क हादसे में बड़ी जनहानि का समाचार सुनकर बेहद दुख हुआ है। मैं इस हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

अधिकतर स्टेशन काम नहीं कर रहे

दिल्ली में जहरीली हवा पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार....

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि दिवाली के दौरान दिल्ली के 37 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से केवल नौ ही चालू थे। इससे यह सवाल उठता है कि विश्वसनीय आंकड़ों के बिना ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान को कैसे लागू किया जा सकता है। राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' बनी हुई है, ऐसे में अदालत के समक्ष पेश हुए एक वकील ने बताया कि कई निगरानी केंद्र काम नहीं कर रहे हैं, जिससे प्रदूषण के स्तर पर नज़र रखना या यह तय करना मुश्किल हो रहा है कि कब प्रतिबंध लगाए जाएँ। सुनवाई के दौरान, न्यायमित्र के रूप में पीठ की सहायता कर रही वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने सर्वोच्च न्यायालय से वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को बढ़ते प्रदूषण स्तर को नियंत्रित करने के लिए पूर्व-निवारक उपाय करने के निर्देश जारी करने का आग्रह किया। उन्हें स्थिति गंभीर होने से पहले ही कार्रवाई करनी होगी। वकील ने

दलील दी और यह भी बताया कि दिल्ली में कई वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र कथित तौर पर काम नहीं कर रहे हैं। वकील ने कहा कि ऐसी खबरें हैं कि निगरानी केंद्र काम नहीं कर रहे हैं। अगर ये केंद्र काम नहीं करेंगे, तो हमें नहीं पता होगा कि तक्रक कब लागू करना है। उन्हें स्थिति पर जवाब देने दीजिए। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि दिवाली के दौरान 37 में से केवल 9 निगरानी केंद्र ही चालू थे। इसके जवाब में, भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने सीएक्यूएम और सीपीसीबी को वायु गुणवत्ता को और बिगड़ने से रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों का विवरण देते हुए एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

उत्सवों और पर्यावरण में संतुलन जरूरी

गौरतलब है कि 15 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने दीवाली के दौरान दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों की सीमित बिक्री और फोड़ने की अनुमति दी थी। अदालत ने कहा था कि पारंपरिक उत्सवों और पर्यावरणीय चिंताओं के बीच संतुलन जरूरी है। ग्रीन पटाखे सिर्फ 18 से 20 अक्तूबर के बीच बेचे जा सकते थे और उन्हें फोड़ने की अनुमति केवल तय समय में ही थी। कोर्ट ने इसे 'टेस्ट केस बेसिस' पर दी गई छूट बताया था। साथ ही, अदालत ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को निर्देश दिया था कि वे 14 अक्तूबर से 25 अक्टूबर तक वायु गुणवत्ता की निगरानी करें और प्रत्येक दिन की रिपोर्ट दाखिल करें।

अमित शाह का दावा

मोदी और नीतीश जोड़ी ने बिहार को जंगल राज से दिलाई मुक्ति..

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी साझेदारी ने बिहार को जंगल राज से मुक्ति दिलाई और वंशवाद का अंत किया। उन्होंने राजद के लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार तथा कांग्रेस नेतृत्व पर अपने वंशजों को सत्ता में बिठाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। सीतामढ़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी की जोड़ी ने बिहार को 'जंगल राज' से मुक्ति दिलाई है। हमने वंशवाद का

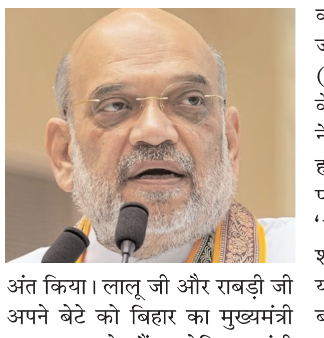

अंत किया। लालू जी और राबड़ी जी अपने बेटे को बिहार का मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। सोनिया गांधी अपने बेटे को देश का प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। लेकिन मैं लालू-राबड़ी और सोनिया जी को यह बताने आया हूँ कि न तो लालू जी का बेटा मुख्यमंत्री बनेगा और न ही सोनिया जी का बेटा प्रधानमंत्री। क्योंकि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश जी हैं और नरेंद्र मोदी जी दिल्ली (केंद्र) में सत्ता में हैं। अपने पहले के बयानों को दोहराते हुए गृह मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हालिया 'मतदाता अधिकार यात्रा' पर हमला बोला और इसे 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' बताया। शाह ने कहा, राहुल गांधी हाल ही में यहाँ आए थे। उन्होंने 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' निकाली थी। रीगा सीमा के पास स्थित है; यह नेपाल के पास है। मुझे बताइए, क्या बांग्लादेशी घुसपैठियों को बिहार की मतदाता सूची से नहीं हटाया जाना चाहिए ये घुसपैठिए गरीबों के अनाज का हिस्सा हड़प लेते हैं, युवाओं से रोज़गार छीन लेते हैं।

लाइसेंस नहीं होने के बावजूद एयर इंडिया के 2 पायलट्स ने उड़ाया विमान, मचा हंगामा

नई दिल्ली। एयर इंडिया में शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग की समस्या एक बार फिर सामने आई है। रेगुलेटर डीजीसीए की फटकार के पांच महीने बाद भी एयरलाइन इस मुद्दे को पूरी तरह सुलझा नहीं पाई है। ताजा मामले में एक सीनियर कैप्टन और एक को-पायलट को उड़ान ड्यूटी से हटा दिया गया है। जांच में पता चला कि दोनों ने पिछले महीने फ्लाइट ऑपरेट की थी — जबकि एक मामले में पायलट का इंग्लिश लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी लाइसेंस एक्सपायर हो चुका था, और दूसरे में को- पायलट ने बाय- एनुअल पायलट प्रोफिशिएंसी चेक यानी इंस्ट्रूमेंट रेटिंग टेस्ट पास नहीं किया था। सूत्रों के अनुसार, एयरबस 320 को-पायलट ने ट्रेनिंग चेक में असंतोषजनक प्रदर्शन के बावजूद बिना अनिवार्य करेक्टिव ट्रेनिंग के उड़ान भरी।

खड़गे का एनडीए पर तीखा वार

बिहार को बदहाल किया,जनता देगी करारा जवाब-मल्लिकार्जुन

पटना/ एजेंसी

पटना में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबन्धन की सरकार पर जमकर हमला बोला। कहा कि नरेंद्र मोदी युवाओं के लिए गंभीर नहीं हैं। रोजगार के नाम पर मोदी पहले कहते थे कि 'पकौड़ा तलो' और अब कहते हैं 'रील बनाओ'। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। उन्हें ठोस कदम उठाना चाहिए और लोगों को बताना चाहिए कि वे आगे क्या करने वाले हैं। खरगे में छठ में मुख्यमंत्री चेहरे पर भी बात की। कहा कि रविवार को पीएम मोदी का पटना में रोड शो था। मैंने पटना में

कई कटआउट देखे, लेकिन नीतीश कुमार का कटआउट नहीं दिखा। रोड शो में भी नीतीश कुमार नहीं दिखे। पीएम मोदी तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने की बात भी नहीं करते हैं।उन्होंने कहा कि यह सब नीतीश कुमार को डुबाने की नरेंद्र मोदी की चाल है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पीएम मोदी और सीएम नीतीश 20 साल से बिहार में सरकार चलाने के बाद भी 'जंगलराज' की बात करते हैं। नरेंद्र मोदी बिहार में आकर महापुरुषों के ऊपर टिप्पणी करते हैं। लेकिन, किसानों की स्थ्क्ष पर चर्चा नहीं करते हैं। वह महंगाई और बेरोजगारी पर बात नहीं करते है। नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं। आपका काम सिर्फ विपक्ष को गाली देना नहीं है बल्कि देश को रास्ता दिखाना है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आज एनडीए सरकार ने बिहार की दुर्दशा कर दी है। इन्होंने स्कूलों को बर्बाद कर दिया है। हमारे पास शिक्षक नहीं हैं और आज पूरे देश में नौकरियां नहीं हैं। विश्वविद्यालयों, पुलिस, केंद्रीय पुलिस, रेलवे और भारत सरकार के दफ्तरों में 50 लाख पद खाली हैं।

भारत आने से बचने का नया पैंतरा

सुप्रीम कोर्ट गया भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी

नई दिल्ली। भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी ने 13,000 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक धोखाधड़ी मामले में भारत प्रत्यर्पण की अनुमति देने वाले आदेश के खिलाफ बेल्जियम के सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया है। चोकसी ने 30 अक्टूबर को देश की सर्वोच्च अदालत, कोर्ट ऑफ कैसेशन में एक अपील दायर की, जिसमें एंटवर्प कोर्ट ऑफ अपील्स के 17 अक्टूबर के फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध को प्रवर्तनीय करार दिया गया था, जिससे उसकी वापसी का रास्ता साफ हो गया था। एंटवर्प अपील न्यायालय के सरकारी अभियोजक केन विटपास ने बताया कि अपील कानूनी योग्यता तक सीमित है और मामले का फैसला होने तक प्रत्यर्पण प्रक्रिया स्थगित रहेगी। इससे

पहले, एंटवर्प अपीलीय न्यायालय के चार सदस्यीय अभियोग कक्ष ने जिला अदालत के नवंबर 2024 के उस आदेश को बरकरार रखा था। जिसमें मई 2018 और जून 2021 में मुंबई की एक विशेष अदालत द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट को वैध ठहराया गया था, जिससे चोकसी के प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो गया था। अदालत ने यह भी फैसला सुनाया कि भारत प्रत्यर्पित किए।

चुनावी सभा में पीएम मोदी बोले-राजद-कांग्रेस को कट्टा और कट्टरपंथी ही पसंद है

पीएम मोदी ने तेजस्वी को कहा-अपने पिता की नाम बोलने और छपवाने में शर्म क्यों आ रही....

कटिहार/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिहार की जनता राजनीति की पारखी है। जो कहा जाता है बिहार की जनता, उससे आगे की बात समझ जाती है। आप राजद और कांग्रेस के पोस्टरों को देखिए। जो वर्षों तक मुख्यमंत्री रहे, जो बिहार में जंगलराज लाए। उनकी तस्वीरें पोस्टरों से गायब हैं। अगर कहीं हैं तो पोस्टरों के कोने में छोटी तस्वीर है। यह दूरबीन से भी नहीं दिखती है। जो उनके लिए इतने बड़े नेता थे, जिनके परिवार के सारे लोग चुनाव के मैदान में उन्हें ही गायब कर दिया। तेजस्वी पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अपने पिता की नाम बोलने और छपवाने में शर्म क्यों आ रही है। वह कौन सा पाप है, जिसको राजद वालों को बिहार के नौजवानों को छिपाना पड़ रहा है? पीएम मोदी ने कहा कि इन लोगों के पोस्टरों में कांग्रेस लगभग गायब है। राजद ने कांग्रेस को कट्टा दिखाकर मुख्यमंत्री का उम्मीदवार भी घोषित करवा दिया। अब कांग्रेस को उसकी हैसियत भी दिखाई जा रही है। कांग्रेस के नामदार कुछ हफ्तों पहले तक बिहार में बड़े-बड़ें दावे कर रहे थे। उनकी तस्वीर को पोस्टर और घोषणा पत्र में बौना बना दिया है। राजद के नेता जो वादे और घोषणाएं कर रहे हैं, तो कांग्रेस के लोग ही

उनपर विश्वास नहीं करते हैं। कांग्रेस और राजद के बीच लंबे समय से एक भीषण झगड़ा चल रहा है। कांग्रेस के नामदार ने छठ को इसलिए ड्रामा बताया ताकि बिहार के लोग राजद पर गुस्सा उतारे और राजद को पराजित करें। कांग्रेस के दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्री और बड़े नेताओं के बयान आप सुने होंगे। अलग-अलग राज्यों से कांग्रेस के नेताओं के बिहार के लोगों के लिए जानबूझकर अपमानजनक बातें बुलवाई जा रही है। केरल में कांग्रेस नेताओं ने बिहार की तुलना बीड़ी से कर दी। तमिलनाडु के जो नेता बिहारियों को गाली देते हैं, उन्हें प्रचार के लिए कांग्रेस ने बिहार में बुलाया है। राजद और कांग्रेस वाले एक-दूसरे का वोट बैंक छिनना चाहते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस वाले वोट पाने के लिए देश की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे हैं। गरीब, दलित, महादलित, पिछड़े और अति पिछड़े को जो मुफ्त राशन मिल रहा, वह घुसपैठियों को मिलना चाहिए क्या? क्या आपका हक घुसपैठियों को देना चाहिए? राजद और कांग्रेस वाले अनाज, मुफ्त इलाज समेत सारी सुविधाएं घुसपैठियों को देना चाहते हैं।

CMYK

मातृशक्ति ने किया छत्तीसगढ़ महतारी का पूजन: अतरिया खुर्द में धूमधाम से मना राज्य का रजत जयंती पर्व

कवर्धा। छत्तीसगढ़ राज्य के गौरवमय 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत अतरिया खुर्द में 'रजत जयंती राज्योत्सव' बड़े उत्साह और सांस्कृतिक उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन महिला संगठन द्वारा किरण यादव के नेतृत्व में किया गया, जिसमें सरपंच नरेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छत्तीसगढ़ महतारी की भव्य आरती रही। पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं ने छत्तीसगढ़ी गीतों और मंत्रोच्चार के साथ मातृशक्ति और प्रदेश की अस्मिता का प्रतीक 'छत्तीसगढ़ महतारी' की पूजा-अर्चना की। आरती के दौरान पूरा ग्राम भक्ति और छत्तीसगढ़ी संस्कृति की भावना से सराबोर हो गया। मुख्य अतिथि नरेश साहू ने अपने संबोधन में कहा कि 1 नवंबर 2000 को हमारे राज्य का जन्म हुआ था। 25 वर्ष पूरे होने पर यह पर्व हमारी एकता, संस्कृति और प्रगति का प्रतीक है। महिला संगठन ने छत्तीसगढ़ महतारी की आरती कर राज्य गौरव का अदभुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। आयोजन की संयोजक किरण यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति, मातृशक्ति और विकास के प्रति समर्पण ही राज्योत्सव का सच्चा अर्थ है। हम सब मिलकर अपने राज्य को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे। ग्राम पंचायत के पंचगण, महिला संगठन की सदस्याएं और ग्रामीण बड़ी संख्या में इस आयोजन में शामिल हुए। यह उत्सव स्थानीय संस्कृति, सामुदायिक एकता और राज्य के प्रति समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण बना।

सीएमएचओ डॉ अमृत रोहलेडर ने दिलाई राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर एकता, अखंडता और सुरक्षा का लिया संकल्प

बेमेतरा। स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अमृत लाल रोहलेडर ने कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस पर राष्ट्र की एकता,अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने का शपथ दिलवाया। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर बेमेतरा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर ने स्वास्थ्य विभाग सीएमएचओ जिला कार्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। शपथ के दौरान सभी ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करने का संकल्प लिया। इस दौरान सीएमएचओ जिला कार्यालय के समस्त जिला अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाए जाने हेतु सर्कुलर जारी किया गया है। इसी के तहत बेमेतरा स्वास्थ्य विभाग में भी यह राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। सीएमएचओ डॉ रोहलेडर ने इस अवसर पर कहा कि सरदार पटेल के जीवन से हमें अदम्य साहस, दूरदर्शिता और देशप्रेम की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने अद्वितीय नेतृत्व से जो मिसाल कायम की, वह हम सभी के लिए मार्गदर्शक है। शपथ के दौरान सीएमएचओ जिला कार्यालय के विभिन्न शाखाओं के अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सभी ने यह संकल्प लिया कि वे अपने देशवासियों के बीच एकता, सदभाव और राष्ट्रीय अखंडता का संदेश फैलाने का निरंतर प्रयास करेंगे। साथ ही, देश की आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में अपना योगदान देंगे। राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ कार्यक्रम के अंत में सीएमएचओ ने अधिकारि कर्मचारियों से अपील की कि वे अपने कार्यों और आचरण से भी राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करें।

मरीज को ले जाने वाली एंबुलेंस खुद हुई बीमार, चिल्फी घाट में बीच रास्ते बंद पड़ी

कवर्धा। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की हालत पर सवाल खड़े करने वाली एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। मरीजों की जान बचाने के लिए दौड़ने वाली एंबुलेंस ही खुद बीमार पड़ गई। जानकारी के अनुसार 108 एंबुलेंस मरीज को लेने चिल्फी क्षेत्र जा रही थी, इसी दौरान चिल्फी घाट में अचानक वाहन बंद हो गया। जांच करने पर पता चला कि एंबुलेंस के गियर बॉक्स में खराबी आ गई है, जिसके कारण वाहन का गियर काम करना बंद कर दिया। चालक ने किसी तरह मेकेनिक को बुलाकर अस्थायी रूप से वाहन को ठीक कराया और उसे वापस लौटाया गया। इस दौरान वहां से गुजर रहे राहगीरों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया और बताया कि यह एंबुलेंस लंबे समय से लगातार चल रही है और वाहन की हालत जर्जर हो चुकी है, जिसके कारण यह तकनीकी खराबी आई। घटना के बाद मरीज को लेने के लिए दूसरे एंबुलेंस को भेजा गया, जिससे काफी देरी हुई। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही कुकदूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की एंबुलेंस भी खराब हो गई थी। लगातार एंबुलेंस वाहनों के खराब होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से जल्द ही एंबुलेंसों की मरम्मत और रखरखाव पर ध्यान देने की मांग की है, ताकि मरीजों को समय पर सहायता मिल सके।

जिला अस्पताल ने बनाया रिकॉर्ड: अक्टूबर माह में हुए 410 प्रसव, अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा

कवर्धा। जिले के स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार का परिणाम अब आंकड़ों में दिखाई दे रहा है। अक्टूबर माह में कवर्धा जिला अस्पताल ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अस्पताल में अब तक के इतिहास में पहली बार एक माह में 410 प्रसव दर्ज किए गए हैं, जो अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, ओपीडी (बाह्य रोगी विभाग) में 15,086 मरीजों ने इलाज कराया, जबकि आईपीडी (आंतरिक वार्ड) में 1,275 मरीज भर्ती होकर उपचार प्राप्त किए। इसके अलावा 1,200 से अधिक एक्स-रे और 200 सीटी स्कैन किए गए, जो यह दर्शाता है कि कवर्धा जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रति जनता का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह उपलब्धि जिला चिकित्सालय के डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की मेहनत का परिणाम है। लगातार बेहतर व्यवस्था, स्वच्छता, और मातृ-शिशु सुरक्षा सेवाओं पर विशेष ध्यान देने से यह सफलता मिली है। यह रिकॉर्ड कवर्धा जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था के सुदृढ़ और जनहितकारी दिशा में बढ़ते कदमों का प्रतीक।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर कवर्धा में होगा तीन दिवसीय भव्य राज्योत्सव

लोक संस्कृति, कला और संगीत का होगा अनूठा संगम

कवर्धा। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिले में 2 से 4 नवंबर तक कवर्धा के आचार्य पंथ गृथमुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मैदान में भव्य तीन दिवसीय राज्योत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष छत्तीसगढ़ स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर राज्योत्सव को 'छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव' के रूप में मनाया जा रहा है। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पाण्डेय करेंगे। कार्यक्रम में पंडरिया विधायक भावना बोहरा, छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर पटेल, कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश कुमार चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी और जनपद अध्यक्ष सुषमा बघेल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देशन में राज्योत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को बैठक व्यवस्था, पेयजल, सुरक्षा, स्वच्छता, विद्युत, यातायात नियंत्रण, पार्किंग और दर्शकों के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपरा और जनजीवन

की झलक देखने को मिलेगी। शासन की योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने विभागीय स्टॉल लगाए जाएंगे, जहाँ नागरिकों को योजनाओं और सेवाओं की जानकारी मिलेगी। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रत्येक दिन शाम 5 बजे से होगा। इसमें लोककला, लोकसंगीत, नाचा, करमा, ददरिया, हास्य जुगलबंदी, कबीर गायन, लोक गायन, कत्थक, सूफी भजन, गजल और स्टार नाइट जैसे कार्यक्रमों से पूरा माहौल उत्सवमय बनेगा। कार्यक्रम की शुरुआत कस्तूरबा विद्यालय के विद्यार्थियों के लोक नृत्य छत्तीसगढ़ दर्शन से होगी। इसके बाद मयारू के मया लोकनृत्य (धनीदास मानिकपुरी), माटी के चंदन करमा-ददरिया (विष्णु यादव), हास्य जुगलबंदी (कौशल साहू एवं अनुप श्रीवास्तव), संगीत गायन (सरगम टीचर्स ग्रुप), लोककला मंच गहना गांठी (प्रमोद सेन), कबीर गायन (डॉ. भारती बंधु), भजन गायन (गौरव एवं स्वाती गुप्ता) और परसा के फूल लोकनृत्य (दानी वर्मा) की प्रस्तुति दी जाएगी। दूसरे दिन शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का लोकनृत्य, क्लासिक म्यूजिकल ग्रुप (तुलेश्वर शर्मा), नृत्य एवं लोकगायन (कार्तिक साहू), बांस गीत (कुनीराम यादव), सुगम संगीत (राजीव केशरी), कत्थक नृत्य (सचिन कुम्हरे), सूफी भजन (रामखिलावन लांझेकर) और हास्य-लोकनृत्य (राकेश सेन, रामभज साहू एवं साथी) कार्यक्रम के आकर्षण रहेंगे। तीसरे अंतिम दिन की शुरुआत अमरोही विद्यालय के विद्यार्थियों के आदिवासी नृत्य से होगी। इसके बाद सांस्कृतिक नृत्य (देव सिंह अहिरे), कबीर भजन (देव सिंह साहू), गजल गायन (अंकुर गुप्ता, आशुतोष गुप्ता), गुरुतुर बोली गवई (रजऊ साहू), लोककला मंच अमरैया के छांव (योगेन्द्र दास), जसगीत और माई का जगराता (गीरिश राजपूत) और दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय के विद्यार्थियों की भक्ति प्रस्तुति होगी। समापन में विवेक शर्मा और साथी छत्तीसगढ़ गीत-संगीत से सजी स्टार नाइट प्रस्तुत करेंगे। तीन दिवसीय यह राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर, लोक परंपरा और संगीत की समृद्ध विरासत को शानदार रूप से प्रदर्शित करेगा।

दतिलहा मंदिर के पास 22 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, तीन दिन बाद मिला शव

कवर्धा। बोड़ला थाना क्षेत्र के अंतर्गत दतिलहा मंदिर के पास एक दर्दनाक घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। यहां 22 वर्षीय युवक ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान विजय वर्मा (उम्र 22 वर्ष), निवासी उसलापुर पुलिस चौकी पोड़ी के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार, युवक का शव घटना के तीन दिन बाद पेड़ से लटकता हुआ मिला, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। शव पूरी तरह से सड़-गल चुका था। घटना की सूचना मिलते ही बोड़ला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मामले की जांच प्रारंभ कर दी है और परिजनों व परिचितों से पूछताछ जारी है। ग्रामीणों ने घटना को लेकर गहरी संवेदना व्यक्त की है।

एक पेड़ मां के नाम पर किया गया पौधारोपण

बेमेतरा। बेमेतरा नगरपालिका क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड नंबर एक पिकरी में दोवेंद्र साहू की प्रथम पुत्री काशिका के जन्मोत्सव पर, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, वार्ड नंबर 01 पिकरी पार्षद राजकुमार खांडे वार्ड के छोटे छोटे बच्चे व वार्ड वासी के सहयोग से पैठू तालाब में 80 पेड़ आम, आंवला, कटहल, नीम, डूमर, पीपल, जामुन लगा का उक्त पेड़ की सुरक्षा की जिम्मेदारी सब ने लिया। इस अवसर पर डा. लालाराम साहू, रीना साहू, सावित्री रजक, संतोष विश्वकर्मा, सभापति गौरव साहू, सहयोग यूथ की टीम,

हर्षवर्धन साहू, तंबोली, धनसिंग वर्मा, साजूराम वर्मा, वीरेंद्र वर्मा व अन्य वार्ड वासी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री रामकृष्ण गौशाला में गोपाष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया

थान खमरिया। नगर के श्री रामकृष्ण गौशाला में गोपाष्टमी पर्व पर गौ माता की आरती पूजन खिचड़ी प्रसादी के पश्चात श्री राम हर्षण कुंज श्री राम मंदिर साजा के महंत वैष्णो दास के द्वारा गौ माता की महिमा एवं गाय के महत्व पूजन और उनके पुण्य प्रताप के बारे में बतलाया गया। महंत वैष्णो दास ने बताया कि गौ माता धरती पर साक्षात भगवान का स्वरूप के रूप में विद्यमान है। हमारे सनातन परंपरा में माताएं सर्वप्रथम भोजन के पूर्व गौ माता के निमित्त गो ग्रास

निकलती है। इसका मतलब यह है कि प्रतिदिन हमें गौ माता के लिए कुछ ना कुछ अंशदान करना चाहिए। कार्यक्रम में समापन अवसर पर आगंतुक मुख्य वक्ता अतिथि महंत वैष्णो दास जी एवं महंत बसंत बिहारी दास को गौ माता की प्रतिमा एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री रामकृष्ण गौशाला समिति के अध्यक्ष गौतम केडिया के द्वारा कुशल दिशा निर्देश एवं दूरभाष द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष जगमोहन जायसवाल भीकम दास वैष्णव राजेंद्र बिंदल डाक्टर निर्मल केडिया फागुराम सिन्हा सरिता जैन महेश दुबे राकेश जोशी, देवानंद त्रिपाठी रोशन लाल साहू प्रेम परमार मनीष सेन संतोष पांडे जसवंत पाटिल प्राचार्य लखन लाल साहू आयुष वैष्णव, राजश्री पांडे सहित सभी गौशाला के सदस्य गण उपस्थित थे।

लक्ष्य फाउंडेशन बेमेतरा ने छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर घाटी में लगाई 25 किलोमीटर की दौड़

बेमेतरा। बेमेतरा के निशुल्क संस्था लक्ष्य फाउंडेशन बेमेतरा द्वारा छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूरे होने पर भोरम देव अभ्यारण दौड़ का आयोजन लक्ष्य के कैडेट के साथ किया गया। यह दौड़ भोरम देव से भोरम देव घाटी होते हुए चिल्फी घाटी के सरोदा दादर कठिन। चढ़ाई को पूरा करते हुए सरोदा बैगा रिसोर्ट तक का यह दौड़ पूरी की गई। लक्ष्य फाउंडेशन के संस्थापक और मुख्य प्रशिक्षक पवन कुमार वर्मा ने बताया लक्ष्य के 25 कैडेट इस दौड़ में जोश के साथ भाग लिए दौड़ को देखने वाले आस पास के वासियों में उत्साह और भारत माता की जय के साथ अभिवादन मिला रास्ते में चलने वाले राह गिर ने बहुत जोश के साथ शुभकामना दिए। सरोदा दादर रिसोर्ट के लोगों ने भी इस दौड़ से प्रभावित हुए। इस दौड़ का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ के 25 वी स्थापना दिवस पर छत्तीसगढ़ सभी वासियो को बहुत बहुत शुभकामनाएँ देना व छत्तीसगढ़ महतारी से प्रार्थना है हमारे छत्तीसगढ़ सदैव खनिज संपदा से भरपूर बना रहे और पर्यावरण संरक्षण के साथ साथ सदैव जल जंगल जमीन सुरक्षित रहे। सभी

आने वाले समय में पौधा लगाए और जल संरक्षण में विशेष ध्यान दे। लक्ष्य फाउंडेशन बेमेतरा विगत 8 वर्ष से सेना भर्ती पूर्व दौड़ का अभ्यास मजबूत ट्रेनिंग देते आ रहे। जिसमें पूर्व सैनिक सूबेदार हरीश अवस्थी और पवन कुमार पूर्व एनसीसी कैडेट व मुंबई से टेक्टिकल ट्रेनिंग और रनिंग प्रशिक्षण के लिए प्रमाणित है। जिनके परिणाम स्वरूप जिले के कई युवा सेना में भर्ती हो चुके है। यह ट्रेनिंग पीजी कॉलेज ग्राउंड में सुबह 4 से 8 चलती है जो पूरे साल भर चलती है। यह जानकारी डॉ गोकुल बंजारे चंदन कवि साहित्यकार कलाकार बेमेतरा ने दी।

मुक्तिधाम में श्रमदान कर सफाई एवं पौधारोपण

निकाय के कर्मचारी सहित स्वच्छताकर्मी शामिल

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस एवं रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर नगर के वार्ड 3 स्थित मुक्तिधाम मे श्रमदान कर साफ सफाई की गई। इस दौरान पौधारोपण भी किया गया। पौधों की सुरक्षा के लिए पाईप सिस्टम से पौधारोपण किया गया है। मुक्तिधाम में सफाई दौरान सीएमओ विनम्र जेमा, पार्षद प्रियंक जैन, निकाय के समस्त कर्मचारी, स्वच्छता दीदियाँ शामिल हुए। नगर पंचायत द्वारा आधिकारिक विज्ञप्ति मुताबिक नगर पंचायत द्वारा अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी के नेतृत्व एवं सीएमओ विनम्र जेमा के मार्गदर्शन मे नगर पंचायत अंतर्गत नियमित सफाई के प्रति जागरूकता एवं पौधरोपण का कार्य किया गया है। राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती महोत्सव एवं विशेष स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन 25 अक्टूबर से 9 नवम्बर तक किया जा रहा है। अभियान के तहत नगर के स्वच्छता लक्षित इकाई की सफाई, श्रमदान द्वारा चौक चौराहो, सार्वजनिक स्थलों की सफाई, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

अवैध संबंध बनाने से रोकना पति को पड़ा महंगा, पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर उतारा मौत के घाट

रायपुर। पलारी थाना क्षेत्र में अवैध प्रेम-संबंधों के चलते पति की हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. फल विक्रेता पति द्वारा अवैध संबंध बनाने से मना करने पर पत्नी ने अपने इंस्टाग्राम प्रेमी के साथ मिलकर हत्या की खौफनाक वारदात को अंजाम दिया है. पुलिस ने इस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाते हुए आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है. घटना 24 अक्टूबर 2025 की दरमियानी रात पलारी थाना क्षेत्र के ग्राम वटगन की है. फल विक्रेता अमृत गिरी की उसके ही घर में हत्या कर दी गई थी. इसकी सूचना 25 अक्टूबर को पुलिस को मिली. मामला संदिग्ध होने के कारण पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने तत्काल एक विशेष टीम का गठन किया, जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह, डीएसपी निधि नाग और साइबर सेल की टीम शामिल थी. मामले की जांच में सामने आया कि हत्या के समय मृतक का परिवार नाचा देखने के लिए दूसरे गांव गया हुआ था, जिससे पुलिस के लिए यह गुत्थी सुलझाना मुश्किल हो गया था. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक की पत्नी चंद्रिका गिरी (38 वर्ष) ने अपने प्रेमी टुन्ना शर्मा (25 वर्ष) के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची थी. हत्या की वजह: पत्नी ने जुर्म कुबूल करते हुए हत्या की वजह बताई कि मृतक अमृत गिरी अपनी पत्नी के अवैध संबंध को लेकर शंका करता था. वह पत्नी को इस तरह के संबंध रखने से मना करता था, जो चंद्रिका को नागवार गुजरता था. इसके बाद चंद्रिका ने पति को रास्ते से हटाने के लिए अपने इंस्टाग्राम से बने प्रेमी टुन्ना शर्मा को चुना.

हवाई फायरिंग कर लोगों को डराने वाला युवक पकड़या

रायपुर। राजधानी रायपुर के धरसींवा थाना क्षेत्र में एक युवक ने हवा में फायरिंग कर लोगों को डराने-धमकाने का प्रयास किया। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से 52 इंच लंबी भरमार बंदूक बरामद की गई है। मिली जानकारी के अनुसार घटना शुक्रवार देर शाम की है जब थाना धरसींवा पुलिस टीम नियमित पेट्रोलिंग पर निकली थी, इसी दौरान सूचना मिली कि ग्राम सगुनी कोल्हान नाला मेन रोड के पास एक व्यक्ति बंदूक लेकर घूम रहा है और लगातार फायरिंग कर लोगों को डरा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ लिया। आरोपी की पहचान अजय पारधी पिता हेमलाल पारधी (उम्र 25 वर्ष) निवासी ग्राम भूमिया, थाना तिल्दा नेवरा, जिला रायपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने जब उससे बंदूक के बारे में पूछताछ की तो उसने बताया कि उसके पास कोई वैध लाइसेंस या दस्तावेज नहीं है। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए धारा 25 और 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, मौके से जब्त की गई भरमार बंदूक की लंबाई 52 इंच है और यह देसी तरीके से तैयार की गई है। शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि आरोपी बंदूक का गैरकानूनी रूप से इस्तेमाल करता था और आसपास के इलाकों में लोगों को डराने-धमकाने की कोशिश करता था। अजय पारधी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब यह जांच कर रही है कि उसने हथियार कहां से हासिल किया और क्या वह किसी अवैध हथियार गिरोह या तस्करी नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। फिलहाल पुलिस इस दिशा में आरोपी से पूछताछ कर रही है।

बेमौसम बारिश ने किसानों की मेहनत पर फेरा पानी खड़ी फसलें हुई तबाह

रायपुर। साजा क्षेत्र में बेमौसम बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। खेतों में खड़ी धान की फसल पूरी तरह पानी में गिरकर खराब हो रही है जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है बताया कि बारिश का दौर ऐसे समय में आया जब किसानों ने धान की कटाई की तैयारी कर रखी थी। अचानक हुई बारिश से खेतों में पानी भर गया और पकने की स्थिति में आई फसलें बर्बाद हो गईं। कई किसानों की फसल पूरी तरह सड़ चुकी है जिससे वे निराश हैं। खेतों में पानी भरने से धान की बाली सड़ चुकी है। जिन किसानों ने फसल बीमा कराया था वे अब बीमा कंपनी से मुआवजे की उम्मीद लगाए बैठे हैं। किसानों ने बताया कि कटाई योग्य फसल पूरी तरह गिर चुकी है जिससे मजदूरी और परिवहन खर्च भी बढ़ गया है। किसानों ने कहा कि यदि प्रशासन और बीमा कंपनी जल्द सर्वे नहीं करती तो नुकसान की भरपाई नामुमकिन हो जाएगी। किसानों ने शासन से मांग की है कि क्षेत्र का त्वरित सर्वे कराया जाए और प्रभावित किसानों को फसल बीमा योजना के तहत उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। जिन किसानों का बीमा नहीं है उन्हें भी आपदा राहत निधि से सहायता दी जाए किसानों ने कहा कि यदि प्रशासन और बीमा कंपनी जल्द सर्वे नहीं करती तो नुकसान की भरपाई नामुमकिन हो जाएगी।

आस्था ने छुआ हृदय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रामनामी समाज के प्रतिनिधियों की आत्मीय भेंट किए...

- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया पर साझा किया यह भावनात्मक पल

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और रामनामी समाज के बीच आत्मीय संवाद का एक वीडियो देश में तेजी से वायरल हुआ है। इस वीडियो को अपने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इसे भावनात्मक और प्रेरणादायी पल बताया है । छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित रजत महोत्सव के दौरान एक हृदयस्पर्शी दृश्य उस समय देखने को मिला, जब रामनाम में लीन जीवन जीने वाले रामनामी समाज के प्रतिनिधियों ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से आत्मीय भेंट की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बताया कि प्रधानमंत्री जी के रायपुर प्रवास से कुछ ही घंटे पहले मंत्रालय में रामनामी समुदाय के प्रतिनिधियों से उनकी भेंट हुई थी। उन्होंने प्रधानमंत्री जी से मिलने की अपनी प्रबल इच्छा व्यक्त की थी, जिसके अनुरूप इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जब रजत महोत्सव के दौरान रामनामी समुदाय के ये श्रद्धालु प्रधानमंत्री श्री मोदी से मिले, तब उन्होंने बड़े आदर और प्रेम से प्रधानमंत्री जी को अपने पारंपरिक मोर मुकुट से मुख्य मंच पर अलंकृत करने की अभिलाषा प्रकट की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जिस सहजता, स्नेह और आत्मीय भाव से उनके इस अनुरोध को स्वीकार किया, वह क्षण वहां उपस्थित सभी लोगों के लिए अत्यंत भावनात्मक और प्रेरणादायी बन गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनाम ही जिनका धर्म, रामभक्ति ही जिनका कर्म - ऐसे अद्भुत और राममय रामनामी समाज के सदस्यों के तन पर अंकित 'राम' केवल एक नाम नहीं, बल्कि समर्पण, तपस्या और अटूट आस्था का प्रतीक है। यह समुदाय अपने तन, मन और जीवन को प्रभु श्रीराम के चरणों में अर्पित कर देता है — यही उनकी जीवन साधना है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की इस आत्मीयता में भक्ति और कर्म का अद्वितीय संगम झलकता है। यह दृश्य इस सत्य को पुष्ट करता है कि रामभक्ति केवल पूजा नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पवित्र साधना है, जिसे प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने आचरण और जीवन मूल्यों से सार्थक किया है।

देवउठनी एकादशी पर मुख्यमंत्री निवास में श्रद्धा एवं पारंपरिक विधिविधान से हुआ तुलसी विवाह

देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक विधि-विधान के साथ तुलसी विवाह का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने माता तुलसी एवं भगवान शालिग्राम का विवाह संपन्न कराया और सपरिवार पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि देवउठनी एकादशी धर्म, अध्यात्म और प्रकृति के संतुलन का प्रतीक है। भगवान श्री विष्णु के योगनिद्रा से जागरण के साथ ही शुभ कार्यों की पुन: शुरुआत होती है। तुलसी विवाह समाज में पवित्रता, सौहार्द और एकत्व की भावना को जागृत करता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं में तुलसी विवाह का विशेष महत्व है।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय स्थापना दिवस उत्साह एवं गरिमापूर्वक मनाया गया

- जनता का विश्वास ही इस न्यायालय की सबसे बड़ी शक्ति और प्रेरणा है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय न्याय, निष्ठा और सेवा का यह दीप आने वाली पीढ़ियों तक प्रज्वलित रखे
- न्यायाधीश रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के साथ छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आज दिनांक 01 नवंबर 2025 को सुबह 10:30 बजे छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में स्थापना दिवस समारोह का आयोजन उच्च न्यायालय के यूनिटी सभागार में उत्साह एवं गरिमापूर्वक किया गया। न्यायाधीश रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधीश के आगमन पश्चात राष्ट्रगान व छत्तीसगढ़ राज्यगीत से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। समारोह में न्यायाधीश संजय के. अग्रवाल, न्यायाधीश संजय अग्रवाल, न्यायाधीश पार्थ प्रतीम साहू, न्यायाधीश रजनी दुबे, न्यायाधीश नरेश कुमार चंन्द्रवंशी, न्यायाधीश दीपक कुमार तिवारी, न्यायाधीश सचिन सिंह राजपूत, न्यायाधीश राकेश मोहन पाण्डेय, न्यायाधीश राधाकिशन अग्रवाल, न्यायाधीश संजय कुमार जायसवाल, न्यायाधीश रविन्द्र कुमार अग्रवाल, न्यायाधीश अरविन्द कुमार वर्मा, न्यायाधीश विभू दत्त गुरु एवं न्यायाधीश अमितेन्द्र किशोर प्रसाद की गरिमामय उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्य न्यायाधीश ने अपने प्रभावशाली उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय अपनी स्थापना के 25 गौरवशाली वर्षों की यात्रा का उत्सव मना रहा है। यह यात्रा 01 नवम्बर 2000 को राज्य के गठन एवं उच्च न्यायालय की स्थापना के साथ प्रारंभ हुई थी।

फरसाबहार में खुलेगा सत्यसाई मातृत्व शिशु अस्पताल भूमि चिन्हांकित किए

- जशपुर और आसपास के क्षेत्रों के लिए बड़ी सौगात

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले की स्वास्थ्य सेवाएं लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। अब फरसाबहार क्षेत्र में सत्यसाई मातृत्व शिशु चिकित्सालय एवं अत्याधुनिक बाल हृदय रोग उपचार अस्पताल की स्थापना की जा रही है। यह अस्पताल देश की प्रसिद्ध समाजसेवी संस्था सत्यसाई ट्रस्ट द्वारा स्थापित किया जाएगा। अस्पताल के लिए जिला प्रशासन ने पांच एकड़ भूमि का चिन्हांकन कर लिया है। स्थायी भवन निर्माण पूरा होने तक ट्रस्ट द्वारा फरसाबहार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में अस्थायी रूप से अस्पताल का संचालन किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस महत्वपूर्ण पहल की घोषणा फरसाबहार में आयोजित आत्मनिर्भर भारत संकल्प शिविर के दौरान की। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि रायपुर स्थित सत्यसाई अस्पताल पूरे देश में अपने नि:स्वार्थ सेवा कार्यों के लिए जाना जाता है, जहां बच्चों के हृदय रोग का उपचार पूरी तरह नि:शुल्क किया जाता है, यहां तक कि अस्पताल में कैश काउंटर तक नहीं है। अब तक वहां 40 हजार से अधिक बच्चों का मुफ्त इलाज किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं इस अस्पताल की सेवा भावना से प्रभावित हैं और शीघ्र ही इसका निरीक्षण करने वाले हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से उन्होंने ट्रस्ट से जशपुर जैसे आदिवासी बहुल जिले में स्वास्थ्य सेवा विस्तार का आग्रह किया था, जिसके परिणामस्वरूप ट्रस्ट ने फरसाबहार में अस्पताल स्थापित करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह अस्पताल जिले के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

देवउठनी एकादशी पर मुख्यमंत्री निवास में श्रद्धा एवं पारंपरिक विधिविधान से हुआ तुलसी विवाह

अब ड्राईविंग लाइसेंस प्रक्रिया हुई और अधिक पारदर्शी

आधुनिक तकनीक से होगा ड्राईविंग टेस्ट: परिवहन मंत्री केदार कश्यप...

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में परिवहन विभाग द्वारा वाहन चालकों की योग्यता और सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए ड्राइविंग टेस्ट और लाइसेंसिंग प्रक्रिया का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। परिवहन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार राज्य के 8 जिले रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, जगदलपुर, अंबिकापुर, रायगढ़ और कोरबा में ई-ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक (ई-ट्रैक) की स्थापना की जा रही है। इन आधुनिक ई-ट्रैकों के माध्यम से ड्राइविंग टेस्ट पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी तरीके से लिए जाएंगे। इसका उद्देश्य है कि ड्राइविंग परीक्षण में मानव हस्तक्षेप कम हो, निष्पक्षता बनी रहे और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए। ई-ट्रैक प्रणाली में वाहन नियंत्रण, लेन अनुशासन, सिग्नलिंग, गति नियंत्रण और सड़क सुरक्षा से जुड़ी तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। इसमें लगे डिजिटल सेंसर और कैमरे अभ्यर्थियों की ड्राइविंग क्षमता का सटीक मूल्यांकन करेंगे। इससे लाइसेंस प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष होगी तथा पात्र आवेदकों को समय पर सही परिणाम प्राप्त होंगे। परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि यह पहल न केवल सड़क सुरक्षा को बढ़ाएगी बल्कि छत्तीसगढ़ को स्मार्ट परिवहन व्यवस्था की दिशा में आगे ले जाएगी। सुरक्षित और आधुनिक परिवहन व्यवस्था राज्य के लोगों के जीवन में सहजता और भरोसा लाएगी।

छत्तीसगढ़ रजत उत्सव में नरेंद्र मोदी के विचारों के आलोक में विकास के मार्ग पर हम आगे बढ़ेंगे : देव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के रजत जयंती उत्सव में उत्साह, उमंग और संकल्पों की ऊर्जा के साथ भाग लेने के लिए प्रदेश की जनता-जनार्दन का आभार व्यक्त कर राज्योत्सव की बधाई दी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्योत्सव का शुभारंभ कर प्रदेशवासियों का सम्मान बढ़ाया। छत्तीसगढ़ की 25 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा स्वर्णिम संकल्पों की पूर्ति की साक्षी बने और 2047 तक छत्तीसगढ़ विकसित राज्य के रूप में स्थापित हो, इस प्रतिबद्धता के साथ हम सबको कदम-से-कदम मिलाकर चलना होगा। श्री देव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी की छत्तीसगढ़ के प्रति आत्मीयता के लिए कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ रजत उत्सव में प्रधानमंत्री के व्यक्त विचारों के आलोक में समर्पण और निष्ठा के साथ विकास के मार्ग पर हम सब आगे बढ़ेंगे। श्री देव ने राज्य निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटलजी की स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि अटल जी की आकांक्षाओं के अनुरूप छत्तीसगढ़ राज्य में अंतिम पंक्ति के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए 'हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे।

पूर्व प्रेमिका की मां पर हथौड़े से हमला

रायपुर। संवाददाता

राजधानी रायपुर में एक युवक ने अपनी पूर्व प्रेमिका की मां पर लोहे की हथौड़े से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया और फरार हो गया। मामले में पुलिस आरोपी युवक की तलाश कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार गौरा चौक यादव पारा में रहने वाली प्रिया विश्वकर्मा ने थाने में एफआईआर कराया है कि उसने बताया कि उसकी मां रामेश्वरी विश्वकर्मा रोजाना की तरह 30 अक्टूबर की सुबह करीब 9:20 बजे घर से काम पर जाने के लिए निकली थीं, तभी आरोपी दीपक अग्रवाल अपने एक साथी के साथ स्कूटी में आया और रास्ते में उन्हें रोक लिया और गुस्से में कहा, आज तुम्हें खत्म कर दूंगा, तुम अपनी बेटी को मुझसे मिलने से क्यों रोक रही हो। इसके बाद उसने अपने हाथ में रखी लोहे की हथौड़ी से रामेश्वरी विश्वकर्मा के सिर और दाहिने हाथ पर वार कर दिया, जिससे वह सड़क पर गिर गईं। आसपास के लोगों के जुटने पर आरोपी वहां से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही रामेश्वरी की बेटियां प्रिया विश्वकर्मा और दीप्ति विश्वकर्मा मौके पर पहुंचीं और अपनी मां को गंभीर हालत में एम्स अस्पताल रायपुर पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार, रामेश्वरी के सिर और हाथ में गहरी चोटें आई हैं। प्रिया विश्वकर्मा ने पुलिस को बताया कि वह पहले दीपक अग्रवाल के साथ चार साल तक रिलेशनशिप में थी।

---

25 वर्षों की विकास यात्रा में हासिल हुई कई उपलब्धियां

छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी राज्यों में शामिल: विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह

- अधोसंरचना, शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुए उल्लेखनीय कार्य
- प्रदेश में 149 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का रिकार्ड

रायपुर/ संवाददाता

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज म्यूनिसिपल स्कूल मैदान राजनांदगांव में आयोजित राज्योत्सव में सभी लोगों को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि राज्य निर्माण के प्रारंभिक वर्षों में छत्तीसगढ़ में असंतुलन की स्थिति रही तथा कुपोषण एवं पलायन जैसी चुनौतियां थी। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने नये राज्य का निर्माण किया। आज 25 साल की यात्रा पूरी होने के बाद छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता उन्हें धन्यवाद देती है। उनकी उम्मीदों के अनुरूप छत्तीसगढ़ तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। डा. सिंह ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करने के दौरान उन्होंने राज्य में अधोसंरचना की कमी को पूरा करने के लिए तेजी से कार्य कराया। प्रदेश में 40 हजार नये स्कूल खोले गए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बड़ी संख्या में हजारों किमी सड़कों का निर्माण कराया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण और उन्नयन किया गया। सभी क्षेत्रों में विकास एवं निर्माण कार्यों के साथ-साथ कुपोषण एवं पलायन को रोकने के लिए खाद्यान्न सुरक्षा अधिनियम को प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया, जिससे पलायन में कमी आयी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्धतापूर्वक

कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी की जा रही है। बीते खरीफ सीजन में राज्य में 149 लाख मीट्रिक टन रिकार्ड धान खरीदी की गई है। किसानों को बोनस की राशि मिली। महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह महिलाओं के खाते में 1000 रूपए की राशि अंतरित की जा रही है। महिलाओं को इस योजना के तहत अब तक 12 हजार 983 करोड़ रूपए की मदद दी जा चुकी है। डॉ. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश का गौरव बढ़ाया है। हमारा देश विश्व के चौथे शक्तिशाली देश के रूप में उभरकर सामने आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश में लगभग साढ़े सात लाख आवास बनाए गए है। हमारा प्रदेश विकसित राज्यों की श्रेणी में एक अग्रणी राज्य के तौर पर शामिल हुआ। उन्होंने इस अवसर पर जिले के निर्माण और विकास के लिए योगदान देने वाली हस्तियों का स्मरण किया। इस अवसर पर महापौर श्री मधुसूदन यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ एवं राजनांदगांव जिले को तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का स्नेह एवं प्रेम मिला। जिले में बहुत से विकास कार्य हुए, जिनमें शासकीय मेडिकल कालेज, नर्सिंग कालेज, कृषि महाविद्यालय एवं अनेक उपलब्धियां प्राप्त हुई। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव ने कहा कि छत्तीसगढ़ विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध लोक गायिका आरू साहू ने रामसिया राम.., राम आयेंगे.. जैसे भजन एवं लोकगीतों की सुमधुर प्रस्तुति दी गई।

संपादकीय

गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची को 'शुद्ध' करने की योजना

निर्वाचन आयोग की ओर से हाल ही में बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के बाद अब दूसरे चरण के तहत बारह राज्यों में यही प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की अपनी अहमियत है। दरअसल, बिहार में यह सवाल उठाया गया था कि जब चुनाव के लिए बहुत कम वक्त बचा था, तब आयोग ने अचानक एसआइआर की शुरूआत क्यों कर दी और ऐसा केवल बिहार में क्यों किया गया। तब यह भी कहा गया कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने में पर्याप्त वक्त है, अगर वहां पहले एसआइआर कराया जाए तो बेहतर हो।मगर निर्वाचन आयोग शायद बिहार विधानसभा के लिए इसी चुनाव में मतदाता सूची को 'शुद्ध' करने की इच्छा रखता था, इसलिए काफी सवाल उठने के बावजूद आखिर एसआइआर को अंजाम दिया गया। अब अंडमान और निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुदुचेरी, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु में एसआइआर होगा, जिसके बाद आयोग का मानना है कि इसके जरिए संबंधित राज्यों की मतदाता सूची को त्रुटिहीन बनाया जा सकेगा।ऐसी शिकायतें आती रही हैं कि चुनाव में कुछ लोगों ने फर्जी तरीके से या फिर किसी का नाम एक से ज्यादा जगहों पर दर्ज था। इस तरह के कई अन्य मामलों के आधार पर मतदाता सूची में अपात्र लोगों के नाम हटाए जाने को लेकर आवाज उठती रही है। मगर बिहार में एसआइआर के क्रम में जिस तरह लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, उसे लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। कई राजनीतिक दलों ने आरोप लगाया कि एसआइआर के बहाने बड़ी संख्या में वैसे मतदाताओं के नाम भी सूची से हटा दिए गए, जो पात्र थे।आयोग की इस दलील से किसी को भी इनकार नहीं होगा कि किसी भी चुनाव में केवल वैध और पात्र मतदाताओं को मतदान करने का अधिकार हो। जिन लोगों का निधन हो गया है, जिनका नाम एक से ज्यादा जगहों पर मौजूद है या फिर जो स्थायी रूप से एक से दूसरे शहर में विस्थापित हो गए हैं, उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाए। मगर यह सवाल बना रहेगा कि मतदाता सूची में से किसी भी ऐसे व्यक्ति का नाम क्यों हटे, जो वैधता की कसौटी पर अपनी पूरी पात्रता रखते हैं।अब जिन राज्यों में एसआइआर की घोषणा हुई है, उसमें खबरों के मुताबिक, कोई कागज दिखाने की जरूरत नहीं होगी। मुख्य रूप से यह एक बड़ा बिंदु था, जिस पर बिहार में हुए एसआइआर के दौरान काफी सवाल उठाए गए थे। दरअसल, बिहार में एसआइआर के तहत मतदाता सूची में नाम कायम रखने के लिए आयोग ने कुछ दस्तावेज जमा करना अनिवार्य बना दिया था, जिसमें आधार को मान्य नहीं बताया गया।

ऑनर किलिंग या लिंग आधारित हिंसा देश के राजनीतिक दलों के लिए चिंता का विषय नहीं है, बल्कि नेता वोट बैंक की राजनीति के कारण आग में घी डालने का काम करते हैं। ऐसी शर्मनाक घटनाओं को रोकने के लिए राजनीति, शैक्षिक और कानून के जरिए जागरुकता लाने की जरुरत है। गुरुग्राम में पिता दीपक यादव ने परिवार की इज्जत बचाने के लिए अपनी बेटी पूर्व टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की गोली मार कर हत्या की थी। पिता और बेटी के बीच लंबे समय से तनाव और विवाद चल रहा था। चार्जशीट में आरोपी पिता दीपक ने बताया कि उसके गांव के लोग उसे टोकते थे कि तुम बेटी की कमाई खा रहे हो। बेटी के चरित्र पर भी उंगली उठाते थे। इससे उनके सम्मान को ठेस पहुंचती थी। इसलिए बेटी की हत्या कर दी। अभी तक यही माना जाता रहा है कि ऑनर किलिंग के ज्यादातर मामले गरीब और पिछड़ेपन के कारण ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में ही होते हैं, किन्तु गुरुग्राम में हुई इस घटना ने साबित कर दिया कि कुछ हद तक यह मानसिकता शिक्षित लोगों के बीच शहरों में भी व्याप्त है। देश एक तरफ जहां अर्थव्यवस्था सहित दूसरे क्षेत्रों में छलांग लगा रहा है, वहीं आदिमयुगीन इस तरह की वारदात से भारत की छवि कलंकित हो रही है।

जागरुकता और कानून सख्ती से ही रुकेंगी ऑनर किलिंग

(योगेंद्र योगी)

दिल्ली की पत्रकार निरुपमा पाठक की मौत के साथ ऑनर किलिंग का मुद्दा सुर्खियों में आया था। आरोप था कि परिवार ने उसे इसलिए मार डाला क्योंकि वह गर्भवती थीं और अपनी जाति के बाहर के व्यक्ति से शादी करने की योजना बना रही थीं। इसके बाद राजधानी में संदिग्ध ऑनर किलिंग के दो और मामले सामने आए। हालांकि राजधानी में ऑनर किलिंग की घटनाएं दुर्लभ हैं, लेकिन भारत के उत्तरी राज्यों जैसे पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं आम हैं। ऑनर किलिंग के पीछे मूल कारण यह विचार है कि परिवार का सम्मान महिला की पवित्रता से जुड़ा होता है। ऑनर किलिंग के कई कारण हो सकते हैं, जैसे वैवाहिक बेवफाई, विवाह से पहले यौन संबंध, अनुचित संबंध, तय शादी से इनकार करना या यहां तक कि बलात्कार भी। भारत में ऑनर किलिंग तब होती है जब कोई जोड़ा अपनी जाति या धर्म के बाहर शादी करता है।

करनाल की एक सत्र अदालत ने एक खाप पंचायत के आदेश के विरुद्ध विवाह करने वाले एक युवा जोड़े की हत्या के लिए पाँच लोगों को पहली बार मृत्युदंड सुनाया। अदालत ने खाप पंचायत के उस सदस्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई जिसने विवाह को अमान्य घोषित कर दिया था और जो हत्या के समय मौजूद था। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और आठ राज्यों को नोटिस जारी कर ऑनर किलिंग को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की व्याख्या करने को कहा था। सरकार ने सतर्क रुख अपनाते हुए तत्कालीन कानून मंत्री एम. वीरप्पा मोइली के भारतीय दंड संहिता में संशोधन और खाप पंचायतों (जाति-आधारित संविधानेतर संस्थाएँ) पर लगाम लगाने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। केंद्र सरकार ने राज्यों से परामर्श करने और ऑनर किलिंग को एक सामाजिक बुराई मानने वाले एक विशेष कानून को लागू करने की संभावनाओं पर विचार करने के लिए एक मंत्रिसमूह गठित करने का निर्णय लिया था।

तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्यों में, जहाँ दलित समुदायों का अपेक्षाकृत अधिक सशक्तिकरण हुआ है, अंतर्जातीय विवाहों की दर भी अधिक दर्ज की गई है। भारत मानव विकास सर्वेक्षण द्वितीय के अनुसार, अंतर्जातीय विवाहों की राष्ट्रीय दर लगभग 5त्न है, लेकिन सशक्त दलित आबादी वाले राज्यों में यह दर अधिक है। विडंबना यह है कि इन्हीं राज्यों में ऑनर किलिंग की घटनाएँ भी बढ़ी हैं। यह विरोधाभास एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करता है। ऑनर किलिंग वहाँ नहीं होती जहाँ जातिवाद सबसे ज़्यादा प्रबल होता है, बल्कि वहाँ होती है जहाँ यह सबसे ज़्यादा ख़तरे में है। जिन राज्यों में उत्पीड़ित लोग अभी भी अपनी 'यथास्थिति' बनाए हुए हैं, वहाँ हिंसा कम होती है, इसलिए नहीं कि जातिवाद मौजूद नहीं है, बल्कि इसलिए कि इसे चुनौती नहीं दी जाती।

संयुक्त राष्ट्र संघ की विभिन्न रिपोर्टों में ऑनर किलिंग को विश्व में एक गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन बताया गया है, जो कि लैंगिक असमानता और पुरुष प्रधान समाजों में गहराई से निहित है। रिपोर्टों के अनुमान के अनुसार, हर साल दुनिया भर में लगभग 5,000 ऑनर किलिंग होती हैं, जिनमें 20त्न मामले भारत में होते हैं, हालाँकि सटीक आंकड़े अज्ञात हैं क्योंकि सभी देश आधिकारिक डेटा नहीं रखते हैं। ये रिपोर्टें बताती हैं कि यह सिर्फ़ भारत की ही नहीं, बल्कि मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और यूरोप के देशों सहित अन्य क्षेत्रों की भी एक वैश्विक समस्या है। यह समस्या मुख्य रूप से मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में व्यापक है, लेकिन बांग्लादेश, ब्राजील, कनाडा, इक्वाडोर, मिस्र, भारत, ईरान, इराक, इटली, मोरक्को, पाकिस्तान, स्वीडन, सीरिया, तुर्की, युगांडा, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे विभिन्न देशों में भी होती है।

कई देशों में ऑनर किलिंग को रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं, लेकिन अक्सर इन कानूनों का पालन नहीं किया जाता है या ये अपर्याप्त हैं। महिलाओं और लड़कियों के अलावा, एलजीबीटी समुदाय के लोग भी ऑनर किलिंग का शिकार हो रहे हैं। रिपोर्टों में इस बात पर जोर दिया गया है कि यह समस्या मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है और विशेष रूप से भारत में संवैधानिक अधिकारों का हनन करती है। ऑनर किलिंग अन्य प्रकार की लैंगिक-आधारित हिंसा का ही एक रूप है, जैसे कि एसिड अटैक, यातना और अपहरण। भारत में जाति एक दोराहे पर खड़ी है। एक ओर, हम हिंसक प्रतिक्रियाएँ और ऑनलाइन महिमामंडन देख रहे हैं। दूसरी ओर, हम ऑनर किलिंग के खिलाफ मज़बूत लोकतांत्रिक आवाज़ें और सामाजिक मूल्यों से धीरे-धीरे दूर होती एक नई पीढ़ी देख रहे हैं।

भारत में जाति और लिंगभेद आधारित समस्या नहीं गहरी जड़ें जमाए बैठी सामाजिक परिघटना है। जाति केवल इसलिए नहीं टिकती और फलती-फूलती है क्योंकि व्यक्ति उस पर ज़ोर देते हैं, बल्कि इसलिए भी कि परिवार, समुदाय और समूची सामाजिक संरचनाएँ, जानबूझकर या अनजाने में, उसे लागू और वैध बनाती रहती हैं। जातिगत सीमाओं को पार करने वाले प्रेम संबंध, खासकर वे जो दलित पुरुषों और प्रभुत्वशाली जाति की महिलाओं के बीच होते हैं। ये संबंध केवल प्रेम या विद्रोह का प्रतिनिधित्व नहीं करते, बल्कि सदियों पुरानी जातिगत पदानुक्रमों को सीधी चुनौती देते हैं। ऑनर किलिंग या लिंग आधारित हिंसा देश के राजनीतिक दलों के लिए चिंता का विषय नहीं है, बल्कि नेता वोट बैंक की राजनीति के कारण आग में घी डालने का काम करते हैं। ऐसी शर्मनाक घटनाओं को रोकने के लिए राजनीति, शैक्षिक और कानून के जरिए जागरुकता लाने की जरुरत है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मध्य एशिया में भारत की पकड़ ढीली हुई, खाली करना पड़ा ताजिकिस्तान में स्थित एयरबेस

(नीरज कुमार दुबे)

भारत अब ताजिकिस्तान के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण आयनी (अयानी) एयरबेस का संचालन नहीं करता, जिसे उसने 2002 से विकसित और संयुक्त रूप से संचालित किया था। यह जानकारी हाल ही में सार्वजनिक हुई है, किंतु सूत्रों के अनुसार भारत ने 2022 में ही इस बेस से पूरी तरह वापसी कर ली थी। हम आपको बता दें कि भारत और ताजिकिस्तान के बीच यह सहयोग एक लीज़ अनुबंध पर आधारित था, जिसकी अवधि 2021 में समाप्त हो गयी थी। ताजिकिस्तान ने संभवतः रूस और चीन के दबाव के कारण इसे आगे बढ़ाने से इंकार कर दिया था। इसके बाद भारत ने अपने सैन्य कर्मियों और उपकरणों को वहां से हटा लिया। हालाँकि वहाँ भारत की कोई स्थायी वायुसेना तैनाती नहीं थी, लेकिन दो-तीन हेलीकॉप्टर जो भारत ने ताजिकिस्तान को भेंट किए थे, वह भारतीय वायुसेना के कर्मियों द्वारा मानवतावादी और राहत अभियानों में संचालित किए जाते थे। कभी-कभी एसयू-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों की अस्थायी तैनाती भी वहां की गई थी। हम आपको बता दें कि आयनी एयरबेस (जिसे गिस्सार मिलिट्री एयरोड्रोम- त्रक्रभी कहा जाता है) ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे से पश्चिम में स्थित है। इसे भारत ने लगभग दो दशक तक विकसित किया और इसके विस्तार पर लगभग 100 मिलियन डॉलर खर्च किए। यह वही ठिकाना था जहाँ से भारत ने 2001 में तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्ज़े के बाद अपने नागरिकों की निकासी में भी सहायता ली थी। भारत ने इस बेस को अपनी सामरिक पहुँच के रूप में उपयोग किया था, विशेषकर पाकिस्तान और अफगानिस्तान की दिशा में।

पूर्व रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीस और वर्तमान एनएसए अजीत डोभाल जैसे रणनीतिक मस्तिष्कों ने इसे भारत की 'फॉरवर्ड पॉलिसी' का हिस्सा बनाया था। इसके 3,200 मीटर लंबे रनवे ने भारतीय वायुसेना को यह क्षमता दी थी कि वह न केवल अफगानिस्तान बल्कि पाकिस्तान के उत्तरी ठिकानों (जैसे पेशावर) तक अपनी पहुंच बना सके। हम आपको बता दें कि ताजिकिस्तान की सुरक्षा और आर्थिक संरचना रूस पर काफी हद तक निर्भर है। रूस के 201वें सैन्य डिवीजन की वहाँ स्थायी तैनाती है और चीन ने भी ताजिकिस्तान में सीमा-पुलिस और खुफिया ठिकानों के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत की है। ऐसे में भारत का एक स्वतंत्र सैन्य ठिकाना, रूस-चीन दोनों के लिए सामरिक असुविधा बन गया था। रूस नहीं चाहता था कि भारत या कोई अन्य 'गैर-क्षेत्रीय शक्ति' मध्य एशिया में स्वतंत्र सैन्य उपस्थिति बनाए रखे। दूसरी ओर, चीन ताजिकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच के वाख़ान कॉरिडोर को अपनी पश्चिमी सुरक्षा-पट्टी के रूप में देखता है। इस क्षेत्र में भारतीय गतिविधि, उसे 'स्ट्रैटेजिक इनक्लोज़मेंट' का आभास देती थी। देखा जाये तो आयनी एयरबेस से भारत की वापसी का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि अब भारत की 'नॉर्थ-वेस्टर्न डिफेंस एक्सटेंशन' पूरी तरह समाप्त हो गई है। पाकिस्तान के साथ संभावित दो-फ्रंट स्थिति (पूर्वी और पश्चिमी मोर्चा) में भारत को जो सामरिक बढ़त मिल सकती थी, वह अब खो चुकी है। अब भारत की वायुसेना को कश्मीर और लद्दाख के बेसों से ही पश्चिमी अभियानों की योजना बनानी होगी, जबकि ताजिकिस्तान से ऑपरेशन की स्थिति में पाकिस्तान को पश्चिम से दबाव झेलना पड़ता। आयनी एयरबेस से वापसी यह भी दर्शाती है कि भारत की मध्य एशिया में भू-आर्थिक पहुँच सीमित है। चाबहार पोर्ट और इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांजिट कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं के बावजूद भारत ताजिकिस्तान या उज्बेकिस्तान तक कोई सुरक्षित लॉजिस्टिक चैनल स्थापित नहीं कर सका। इस विफलता ने भारत को क्षेत्रीय गठबंधनों (एससीओ,ईएईयू) में एक सीमित भागीदार बना दिया है, जबकि चीन अपने बेल्ट एण्ड रोड एनीटीव्य के ज़रिए वहाँ स्थायी प्रभाव बना रहा है। इंटेलिजेंस साझेदारी और काउंटर-टेररिज्म सहयोग के नए प्रारूप भारत को पुनः प्रभावी भूमिका दे सकते हैं। साथ ही, ईरान के माध्यम से वैकल्पिक पहुँच मार्ग (जैसे चाबहार से मध्य एशिया तक कॉरिडोर) को त्वरित गति देनी होगी। बहरहाल, आयनी एयरबेस का खोना भारत की सामरिक सीमाओं की याद दिलाता है कि केवल निवेश और तकनीक से भू-राजनीति नहीं चलती; इसके लिए स्थायी गठबंधन, राजनीतिक प्रभाव और लॉजिस्टिक क्षमता आवश्यक है। भारत यदि मध्य एशिया में अपनी जगह पुनः बनाना चाहता है, तो उसे केवल सैन्य दृष्टिकोण नहीं, बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और कूटनीतिक त्रिकोणीय रणनीति अपनानी होगी। आयनी से वापसी एक अध्याय का अंत है, पर यह भारत की 'उत्तर दिशा' की कहानी का अंतिम पृष्ठ नहीं है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सोने-चांदी की अब अलग-अलग चाल

पिछले साल दीवाली के दिन दस ग्राम सोना 81,280 रुपये का मिल रहा था। और इस बार धनतेरस से पहले ही उसका दाम था 1,33,775 रुपये, यानी साल भर में करीब 65 प्रतिशत का उछाल। चांदी की रफ्तार तो इससे भी जबर्दस्त रही। पिछले साल दीवाली पर 99,000 रुपये किलो से इस साल सीधे दो लाख रुपये के पार। सौ फीसदी का उछाल! हालत यह थी कि धनतेरस के दिन सर्राफा कारोबारियों के पास बेचने के लिए चांदी नहीं थी और ग्राहकों को निराश लौटना पड़ा। यह सामान्य स्थिति नहीं है। बरसों से दस ग्राम सोने और एक किलो चांदी की कीमत करीब-करीब बराबर चलती आ रही है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में चांदी का बाजार तेज होता जा रहा है। इस बार तो हद ही हो गई। हालात की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाना चाहिए कि देश की कई बड़ी म्यूचुअल फंड कंपनियों ने अपनी उन स्कीमों में नया पैसा लेना बंद कर दिया था, जो चांदी में पैसे लगाती थीं। वजह यही कि बाजार में खरीदने के लिए चांदी की किल्लुत दिख रही थी।

(आलोक जोशी)

इसी डर का असर था कि हाजिर बाजार में चांदी का भाव चांदी के वायदा सौदों के मुकाबले करीब तेरह हजार रुपये ऊपर पहुंच गया था। बाजार के जानकार इसे शुभ संकेत नहीं मानते। उनकी नजर में इसका यह अर्थ था कि बाजार में भरोसा कम हो रहा है, यानी व्यापारियों को यह यकीन नहीं है कि अगर आज वे वायदा बाजार में एक महीने बाद का सौदा करते हैं, तो उन्हें उस वक्त उतनी चांदी वास्तव में मिलेगी। इसे डिफॉल्ट का डर कहते हैं, यानी सौदा करने वाला वक्त आने पर मुकर सकता है।

त्योहार तो तेजी में निकल गया। मगर उसके बाद से शादी-ब्याह के लिए सोना-चांदी खरीदने वालों के लिए राहत की खबर है। जोरदार तेजी के बाद से सोने और चांदी में तेज गिरावट देखने को मिल रही है। 18 अक्तूबर से 27 अक्तूबर के बीच 100 ग्राम सोना करीब 68 हजार रुपये और एक किलो चांदी करीब अठारह हजार रुपये सस्ती हो चुकी है। खासकर उन परिवारों के लिए यह राहत की खबर है, जहां कोई विवाह होने वाला है और जो सोने-चांदी के दाम देखकर घबराए हुए थे। यह छोटी फिक्र नहीं है। हमारे देश में सोने का सबसे बड़ा बाजार यही है। भारतीय महिलाओं के पास दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार है। दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के बाद शायद इन्हीं का नंबर आता है। हालांकि, इसका सही-सही हिसाब लगाना मुश्किल है, लेकिन 'वर्ल्ड गोल्ड कौंसिल' के अनुसार, भारतीय महिलाओं के पास कुल मिलाकर करीब 24,000 टन सोना है। यह दुनिया के कुल स्वर्ण भंडार का 11 प्रतिशत हिस्सा है। इसके मुकाबले भारत के मंदिरों के पास कुल मिलाकर करीब 4,000 टन सोना है और भारत सरकार का स्वर्ण भंडार या गोल्ड रिजर्व 800 टन के आसपास है। दुनिया में सबसे ज्यादा गोल्ड रिजर्व रखने वाले अमेरिका के इस भंडार में भी नौ हजार टन से कुछ कम ही सोना है।

बहरहाल, इस वक्त दुनिया भर के सर्राफा बाजार में सबसे बड़ा सवाल है कि जबर्दस्त तेजी के बाद अब क्या भाव और टूटने वाले हैं या फिर सोने-चांदी में मंदी का दौर शुरू हो रहा है? अभी तक सोने और चांदी का भाव साथ-साथ देखा जाता है या उनका

नाम भी साथ-साथ लिया जाता है। लेकिन यहां सोने और चांदी की कहानी अब अलग रास्ता पकड़ चुकी है।

जहां सोना संकट काल में सबसे बड़ा सहारा माना जाता है, वहीं चांदी के साथ ऐसा नहीं है। सोने की सबसे बड़ी खासियत यही है कि यह आग, पानी, तूफान, भूकंप किसी भी स्थिति में नष्ट नहीं होता। न इसमें कीड़े लगते हैं और न ही इसे जंग खाता है। आग भी लग जाए, तो गला हुआ सोना राख में से डलों के रूप में वापस हासिल किया जा सकता है। मगर चांदी पर कुछ रसायनों का असर होता है और हवा या नमी से भी इसके खराब होने या नष्ट होने का डर रहता है। लेकिन लंबे समय से चांदी का औद्योगिक इस्तेमाल होता रहा है और इन दिनों तो काफी बढ़ गया है। कंप्यूटर, टीवी और मोबाइल फोन में तो यह इस्तेमाल होती ही है, खासकर सौर ऊर्जा के सेलों में और आरएफआईडी चिप्स में इसकी मांग काफी बढ़ गई है। यही उसके दाम बढ़ने की बड़ी वजह भी है।

उधर सोने के दाम में पिछले दिनों आई तेजी की एक बड़ी वजह ट्रंप के टैरिफ, उनकी आर्थिक नीतियां और उन पर दुनिया में बढ़ता अविश्वास बताया जा रहा है। दुनिया के अनेक देश अब डॉलर का दामन छोड़कर किसी दूसरी मुद्रा या मुद्राओं के भरोसे रहना चाहते हैं। ऐसे में, सोना उनके लिए बड़ा सहारा दिख रहा है।

लेकिन इस वक्त दूसरी बात भी उतनी ही तेजी से हो रही है। भारत के दिग्गज निवेशकों में से एक रमेश दमानी मानते हैं कि लंबी अवधि में देखें, तो सोना सालाना औसतन तीन प्रतिशत का रिटर्न देता है। एक साल में साठ प्रतिशत से ज्यादा उछाल के बाद यह बात अटपटी लगती है। फिर पुराना रिकॉर्ड देखें, तो सोना बढ़ता ही नहीं, गिरता भी रहा है। निवेश की दुनिया के महारथी रुचिर शर्मा भी चेतावनी दे चुके हैं कि पिछले दिनों सोने में जो तेजी आई, उसकी कोई बुनियादी वजह नहीं है। उनका कहना है कि दुनिया भर में इतना पैसा घूम रहा है कि वह सभी चीजों के दाम बढ़ा रहा है, जिनमें सोना भी शामिल है। उनकी चेतावनी है कि अगर अमेरिका में महंगाई और ब्याज दरों का दबाव बना और वहां का केंद्रीय बैंक बाजार से नकदी खींचने पर मजबूर हुआ, तो फिर सोने में तेज गिरावट आ सकती है। हालांकि, ऐसा कब होगा, यह कहना उनके लिए भी मुमकिन नहीं है।

पारंपरिक रूप से सोने और शेयर बाजार के बीच में छत्तीस का आंकड़ा रहा है। जब शेयर बाजार चलते थे, तो सोना गिरता था और जब शेयर बाजार कमजोर पड़ते, तो सोना दम दिखाता था। कारण साफ है। जब अनिश्चितता बढ़ने लगे, देश या दुनिया में संघर्ष बढ़े, तो शेयर बाजार से पैसा निकलकर सोने की तरफ जाता है, और जब सब कुछ ठीक हो और भविष्य अच्छा दिखता हो, तो लोग सोने से निकलकर जोखिम उठाने की मुद्रा में आ जाते हैं।

लेकिन पिछले कई वर्षों से यह समीकरण उल्टा हुआ है। अब जानकारों के मन में यही सवाल है कि यह उलटबांसी कब तक चल सकती है? और, इसी के साथ जुड़ा सवाल है कि क्या सोना तेज गिरावट दिखाने वाला है या फिर शेयर बाजार? लेकिन इस सवाल से जूझना लंबे समय का काम है। फिलहाल तो जिन्हें सोना खरीदना है, उनके लिए शुभ दिन साफ दिख रहे हैं। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

रासेयो स्वयंसेवकों ने ली राष्ट्रीय एकता की शपथ

महान व्यक्ति की महानता के पीछे होता है संघर्षपूर्ण अतीत : नायक

भंवरपुर। कृषक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाटसेंद्री में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा प्राचार्य साखीराम पटेल के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी सोमेश्वर प्रसाद नायक सहायक चेतन कुमार पटेल, नीलांबर पटेल हिना दास के दिशा निर्देशन में अखंड भारत के निर्माता लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के 150 वी जयंती के अवसर में राष्ट्रीय एकता दिवस पर राष्ट्रीय एकता शपथ एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रार्थना सभा के दौरान प्रधान पाठक चंद्रभानु पटेल द्वारा सभी छात्रो को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलवाया गया। पश्चात विद्यालय के सभागृह में मां शारदा, स्वामी विवेकानंद एवं सरदार वल्लभ भाई के चित्र में दीप प्रज्वलित कर, पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। भाषण प्रतियोगिता के प्रतिभागी छात्रों में कु.बेबी प्रधान, लक्ष्मी प्रिया डंडसेना, तेज कुमारी नायक, वर्षा पटेल ने देश को स्वतंत्र कराने तथा एकता और अखंडता को बनाए रखने में सरदार पटेल की भूमिका पर अपना वक्तव्य दिया।

प्रतिकूल परिस्थितियों से आती है दृढ़ता - कार्यक्रम अधिकारी नायक ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन में प्रकाश डालते हुए बताया कि इनका जन्म गुजरात के कृषक परिवार में हुआ था। ये उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड बैरिस्टर की पढ़ाई करने गए थे किसी भी महान व्यक्ति के महानता के पीछे लंबा संघर्षपूर्ण अतीत होता है जो हमें दिखाई नहीं पड़ता, सरदार पटेल के जीवन में भी प्रतिकूल परिस्थितियों में उनके दृढ़ निश्चय, नेतृत्व क्षमता, रणनीतिक सोच और राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति दृढ़ता देखने के लिए मिलता है।

गांधी ने दी थी लौह पुरुष की उपाधि - आजादी से पहले और आजादी के बाद विपरीत परिस्थितियों में इनकी अथक प्रयास से ही 562 से अधिक छोटे-बड़े रियासत को भारतीय संघ में एकीकृत करने संभव हो सका नहीं तो हमें छत्तीसगढ़ से दिल्ली जाने या केरल जाने के लिए भी वीजा एवं पासपोर्ट लेना होता। इन्होंने रियासतों को एक राष्ट्र में एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसके लिए महात्मा गांधी ने उन्हें लौह पुरुष की उपाधि दी थी। सरकार ने सरदार पटेल के भारत के एकीकरण में उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए 2014 से उनके जन्मदिन 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने की सहमति बनी सन 1991 में सरदार पटेल को मरणोपरान्त भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

देशप्रेम की भावना जगाने चल रही पदयात्रा - महात्मा गांधी एवं सरदार पटेल के आदर्शो, विचारों से प्रेरित विद्यालय के संस्थापक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित जयदेव सतपथी ने फुलझर क्षेत्र में एकता अखंडता को बनाए रखने 1942 से गांधी पदयात्रा प्रारंभ किया, जिसे उनके कनिष्ठ पुत्र विद्याभूषण सतपथी द्वारा विभिन्न ग्रामों में भ्रमण कर लोगों में देश प्रेम के भावना को जगाने के कार्य कर रहे हैं। इनका विचार था कि एक शिक्षित व्यक्ति देश की एकता अखंडता बनाए रखने में अधिक से अधिक योगदान दे सकता है। इस उददेश्य से इन्होंने स्वतंत्रता पश्चात क्षेत्र में विद्यालय स्थापित किया जो लोगों को शिक्षित एवं जागृत करने का कार्य कर रहा है।

देवउठनी एकादशी पर बंगीय समाज किरंदुल की महिलाओं ने धूमधाम से किया तुलसी विवाह

किरंदुल। लौहनगरी कीरके वार्ड क्रमांक 3 स्थित सीतला मंदिर प्रांगण में बंगीय समाज की महिलाओं द्वारा देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी तुलसी विवाह का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया।सुहागन महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए तुलसी माता का विधिविधान से पूजन किया।इस दौरान तुलसी पर लाल चुनरी उढ़ाई गई और हल्दी, रोली,चंदन तथा सिंदूर से पूजन-अर्चन संपन्न हुआ।पूजा के उपरांत महिलाओं ने एक-दूसरे के गालों पर हल्दी का लेप लगाकर और माथे पर सुहाग की निशानी सिंदूर लगाकर अपने पति की लंबी उम्र और दांपत्य सुख की कामना की।कार्यक्रम के समापन पर प्रसाद स्वरूप खीर और मिठाई वितरित की गई। पूरे आयोजन स्थल पर भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत वातावरण देखने को मिला।महिलाओं ने पारंपरिक गीत गाते हुए भगवान विष्णु और तुलसी माता के विवाह उत्सव का आनंद लिया।यह धार्मिक आयोजन बंगिया समाज की एकता, सांस्कृतिक विरासत और आस्था का प्रतीक बना रहा।

खोखली ग्राम में भव्य मातर महोत्सव का आयोजन आस्था लोक परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक बना आयोजन

भाटापारा। खोखली ग्राम में श्रद्धा और उल्लास के वातावरण में मातर महोत्सव का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गो के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक एकता का परिचय दिया। मातर महोत्सव केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आस्था, लोक संस्कृति और सामुदायिक समरसता का जीवंत प्रतीक है। यादव समाज द्वारा आयोजित इस महोत्सव में समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौ-सेवा की भावना और पारंपरिक मूल्यों का अदभुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में यादव समाज सहित क्षेत्र के अनेक समाजों के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिन्होंने इस आयोजन को और भी विशेष व ऐतिहासिक बना दिया। संपूर्ण वातावरण भक्ति, उमंग और सामाजिक एकता के रंगों से सराबोर रहा। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा– मातर महोत्सव हमारी भारतीय संस्कृति, गौ-सेवा और लोक परंपराओं का प्रतीक है। ऐसे आयोजन समाज में एकता, सहयोग और सदभाव की भावना को मजबूत करते हैं। भगवान कृष्णचंद्र की कृपा सभी पर बनी रहे, सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार हो – यही हमारी कामना है। मातर महोत्सव ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि जब समाज अपनी परंपराओं और संस्कारों से जुड़ता है, तो संस्कृति और एकता का प्रकाश पूरे समुदाय को आलोकित कर देता है। साथ मे सरपंच आशीष चतुर्वेदानी, पूर्व सरपंच राजू यादव, राजकुमार यादव, उपसरपंच बंसी यादव, पूर्व सोसाइटी अध्यक्ष पुरशोत्तम ध्रुव विजय यादव, ईश्वर यादव दुखु यादव, भुला यादव उपस्थित रहे।

ओड़ीसा बॉर्डर पर अवैध रूप से काटी गई आम की लकड़ियों का बड़ा खेप जब्त, ट्रक सहित 36 गोले और 3 चैन शॉ मशीन जब्त

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देश पर तथा केशकाल अनुविभागीय दंडाधिकारी आकांक्षा नायक के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। तहसील क्षेत्र बड़ेराजपुर अंतर्गत हल्दा गांव (ओड़ीसा बॉर्डर) के पास सूचना पर अवैध रूप से काटे गए आम के 36 लकड़ी गोला, 03 नग चैन शॉ मशीन और अवैध परिवहन में संलिप्त ट्रक क्रमांक सीजी 06 एम 0786 को जब्त किया गया है। विभाग से मिली जानकारी अनुसार, क्षेत्र में लंबे समय से हरे-भरे पेड़ों को अवैध तरीके से काटकर उनके बिना दस्तावेजी कार्यवाही के परिवहन किए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। इस सूचना पर केशकाल अनुविभागीय दंडाधिकारी आकांक्षा नायक के मार्गदर्शन में बड़ेराजपुर तहसीलदार फणेश्वर सोम के नेतृत्व में राजस्व विभाग, वन विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित की गई।

मौके पर वाहन से किसी भी प्रकार के दस्तावेज नहीं मिले : संयुक्त टीम द्वारा बड़ेराजपुर-बासकोट-गम्हरी मार्ग पर अवैध परिवहन की जांच की गई। कोरगांव तहसील बड़ेराजपुर जांच के दौरान हल्दा गांव (ओड़ीसा बॉर्डर) के पास बासकोट की ओर आ रही ट्रक क्रमांक सीजी 06 एम 0786 को रोककर उसके दस्तावेज मांगे गए, किंतु मौके पर सोमी नेताम, पिता लखमू नेताम, ग्राम कोरगांव द्वारा वाहन से किसी भी प्रकार के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। जांच में उक्त वाहन में 36 नग आम की लकड़ी के गोले और काटने के लिए प्रयुक्त 3 चैन शॉ मशीन पाई गईं। इसके बाद राजस्व, वन एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने ट्रक सहित लकड़ी और मशीनों को जप्त कर लिया है। आगे की कार्रवाई संबंधित विभाग द्वारा की जा रही है।

जांच का विषय है, सजा का प्रावधान मामलेकी गंभीरता को देखते हुए होगी : तहसीलदार

बड़े राजपुर तहसीलदार फ़णेश्वर सोम ने बताया कि तहसील बड़े राजपुर के ग्राम हाल्दा में अवैध रूप से परिवहन करते हुए, जप्त किया गया है। वाहन चालक से पूछा गया तो, ट्रक एवं लकड़ी के गोले के संबंध में कोई भी दस्तावेज नहीं मिला है, फिलहाल तो यह जांच का विषय है, इस प्रकरण में सज और जुर्माना का जो प्रावधान है वह मामले की गंभीरता पर निर्भर करती है।

जांच दल को करना पड़ा इंतजार

सूचना पाकर मौके पर पहुँची टीम को वाहन चालक मौके से गायब मिला और टीम को एक घण्टे से ज्यादा के इंतजार के बाद वाहन चालक मौके पर पहुँचा। जब उससे टीम ने लकड़ी परिवहन से सम्बंधित दस्तावेजो की मांग की तो वह दिखाने में असमर्थ रहा।

कोण्डागांव विकासखंड के 472 हितग्राहियों का गृह प्रवेश

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती महोत्सव और राज्य उत्सव अंतर्गत आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण गृह प्रवेश कार्यक्रम जनपद पंचायत कोंडागांव ग्राम पंचायत चिकलपुटी, सोनाबाल में किया गया, जिसमें जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, जनपद सीईओ उत्तम एवं सहायक परियोजना अधिकारी महापात्र, कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी सहायक, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, आवास मित्र एवं अन्य ग्रामीण नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम में हितग्राहियों को आवास की चाबी देकर गृह प्रवेश कराया गया। हितग्राही ने बताया कि पूर्व में खपरे के घर में रहते थे, जिसमें बरसात में मौसम में समस्या होता था। अब पक्का मकान होने से सुविधा हुई है, जिसके लिए हितग्राहियों ने प्रधानमंत्री को आभार प्रकट किए और जिला कोंडागांव के ब्लॉक कोंडागांव में आज कुल 472 आवास का गृह प्रवेश हुआ। 1176 आवास में से शेष का गृहप्रवेश कार्यक्रम आगामी 7 नवंबर तक पूर्ण होना है।

नगरीय क्षेत्र में बस्तर ओलम्पिक का आयोजन आज

कोण्डागांव। जिले में बस्तर ओलम्पिक 2025 का आयोजन जोन स्तर पर 30 अक्टूबर से प्रारंभ हो चुका है, जिसमें ग्राम पंचायत के खिलाड़ी भाग लेंगे। इसी तरह नगरपालिका परिषद कोण्डागांव के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र एवं समस्त वार्ड के खिलाड़ियों की प्रतियोगिता 03 नवंबर को आयोजित होगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बालक-बालिका के लिए आयु वर्ग 14 से 17 वर्ष, वहीं 17 से अधिक वर्ष के महिला-पुरुष भी भाग ले सकते हैं, इस प्रतियोगिता में वे ही खिलाड़ी भाग लेंगे जिनका पंजीयन ऑनलाईन हुआ है प्रतियोगिता स्थल खो-खो एवं रस्साकसी एनसीसी मैदान, एथलेटिक्स नगर पालिका स्टेडियम कनेरा रोड, कबडडी, वॉलीबॉल ऑडिटोरियम के पीछे, आरचरी खेलो इंडिया सेंटर, कराते टाउनहॉल, बैडमिंटन ऑडिटोरियम के बाजू बैडमिंटन कोर्ट में सम्पन्न होगा एवं फुटबॉल विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता के साथ सम्पन्न होगा।

पालनार में जोन स्तरीय बस्तर ओलम्पिक 2025 का हुआ आगाज

किरंदुल। जोन स्तरीय बस्तर ओलम्पिक 2025 का ग्राम पंचायत पालनार में रविवार शुभारम्भ हुआ। जिसमें पालनार, फूलपाढ़, चोलनार, कलेपाल, माहराहूररनार, टिकनपाल के जूनियर उम्र(14-17) एवं सीनियर उम्र(17+) दिव्यांग, आत्म समर्पित नक्सली प्रतिभागी शामिल हुए। इनमें शामिल खेल दौड़, तीरंदाजी, कबड्डी, खो-खो, बॉलीबॉल, रस्सा खींच, बेडमिंटन, फुटबॉल आदि हैं।बस्तर ओलम्पिक का मुख्य उददेश्य युवा शक्ति को सकारात्मक दिशा देना खेल के माध्यम से समावेशन और ग्रामीण क्षेत्र को मुख्य धारा से जोड़ना है। खेल गतिविधि से यह संदेश जाता है कि युवा अपनी ऊर्जा खेलकूद मे लगाये शिक्षा-विकास-स्वास्थ्य के मार्ग पर आए। ओलम्पिक का शुभारम्भ जनपद अध्यक्ष सुकालू मुड़ामी, सीइओ मुन्ना कश्यप समस्त पंचायत सरपंच द्वारा माँ दंतेश्वरी के चित्रपटल पर पुष्पमाला चढ़ाकर किया गया। इस ओलम्पिक मे समस्त ग्राम पंचायत सचिव, जोन के समस्त संकुल समन्वयक, पीटीआई, शिक्षक एवं ग्रामीण उपस्थित रहें।

कलेक्टर ने मर्दापाल और बयानार में स्वास्थ्य केंद्रों का किया निरीक्षण

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने मर्दापाल और बयानार के स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं को दूरस्थ करने के लिए संबंधित अधिकारियों सख्त निर्देश दिए और मलेरिया के रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा।

कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मर्दापाल में स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण कर प्रसव, स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण के साथ चिकित्सकों की उपस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने एचआरपी महिलाओं की सतत निगरानी करने के सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने बीएमओ को निर्देशित किया कि मलेरिया के रोकथाम हेतु गांवों में शिविर आयोजित कर सभी ग्रामीणों को जांच करने के निर्देश दिए साथ ही ग्रामीणों को मच्छरदानी के उपयोग हेतु जागरूक करने को कहा। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को सख्त निर्देश दिया कि बाल विवाह के प्रकरण में तुरन्त पुलिस थाने में सूचना दें। कलेक्टर ने बयानार में भी स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी। उन्होंने वहां स्टाफ को कमी को दूर करते हुए सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए और एचआरपी की सूची चस्पाकर सतत निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. आर. के. चतुर्वेदी, डीपीएम भावना महलवार सहित बीएमओ और विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजयोग आत्मा और परमात्मा के बीच का सच्चा संबंध : ब्रह्माकुमारी पूनम

बेमेतरा। अलविदा तनाव के शिविर के पाँचवें दिन बी के पूनम बहन ने बताया कि राजयोग क्या है और राजयोग की विधि और अभ्यास कैसे करना है? राजा अर्थात बादशाह (राज्य करने वाला) और योग अर्थात कनेक्शन अथवा सम्बन्ध, राजयोग एक परमयोग है जिससे आत्मा केवल परमात्मा की याद द्वारा अपने स्वयं के इन्द्रियों (कर्मेन्द्रियों, मन, बुद्धि) का मास्टर अथवा राजा बन जाती है। राजयोग मेडिटेशन पर प्रभुत्व स्थापित करने के लिए दो परस्पर कदम हैं। आत्मानुभूति हरेक को आत्म अभिमानी का अभ्यास करना चाहिए। यह पुरुषार्थ करने की बात है क्योंकि अब हम देह अभिमानी बन गये हैं। राजयोग याने शान्ति, पवित्रता एवं सर्व शक्तियों के सागर (परमपिता परमात्मा) से सीधा कनेक्शन अथवा सम्बन्ध स्थापित करना। राजयोग में हम पहले स्वयं को आत्मा समझकर परमात्मा को उनके गुणों सहित (शांति के सागर, परमपवित्र, प्रेम के सागर, आनंद के सागर और सर्वशक्तिवान) याद करते हैं। इसके समानांतर हम अपने स्वयं के स्वभाव (जैसे शान्ति, प्रेम इत्यादि) से जुड़ने का गहरा अनुभव करते हैं। योग शब्द का अर्थ है जोड़। राजयोग मेडिटेशन में आत्मा परमात्मा से कनेक्शन अथवा मानसिक जोड़ का अनुभव करती है। यह जोड़ स्थापित करने की विधि एक शुरुआत है अपने आतंरिक विश्व की यात्रा की ओर अपना वास्तविक आध्यात्मिक पहचान की खोज में राजयोग एक ऐसा शांत सेतु है, जो हमें हमारे खोए हुए परम संबंध से फिर से जोड़ता है।

राजयोग का अभ्यास करने से क्या होता है?

जब आप स्वयं को अपने सत्य स्वरूप में अनुभव करते हैं और परमात्मा को याद करना शुरू करते हैं, तोः आपके विचार हल्के हो जाते हैं। आपकी भावनाएं स्थिर और संतुलित होने लगती हैं। आप रिएक्ट करना छोड़कर समझदारी से जवाब देने लगते हैं। आपके लिए माफकरना आसान हो जाता है। खुशी के लिए दूसरों पर निर्भर रहना कम हो जाता है। राजयोग सिर्फ शांति ही नहीं लाता बल्कि शक्ति भी देता है। थका देने वाली आदतों को ना कहने की शक्ति। उलझनों में भी शांत और स्थिर रहने की शक्ति। बिना शर्त, सच्चा निस्वार्थ प्यार करने की शक्ति। बीती हुई बातों को सरलता से छोड़ देने की शक्ति और ये कोई जबरदस्ती किया जाने वाला बदलाव नहीं है, ये स्वाभाविक रूप से, अंदर से होने वाला एक परिवर्तन है। राजयोग का वास्तविक प्रभाव कैसे होता है? राजयोग के माध्यम से आत्मा सीधे परमात्मा से जुड़ती है, जैसे किसी दर्पण पर प्रकाश पड़ने उस प्रकाश से मदद मिलती है, पुरानी आदतों को मिटाने में। अंदर की स्थिरता को मजबूत करने में। न दिखने वाले घावों को भरने में। बिना वजह खुश रहने में। यह कोई थ्योरी नहीं है इसे महसूस किया जा सकता है। सिर्फ पाँच मिनट भी कोशिश करें, तो अनुभव जरूर होगा। शांत बैठें और सोचें: मैं एक आत्मा हूँ। मैं शांत स्वरूप हूँ। मैं अपने परमपिता परमात्मा की ओर देखती हूँ। दिव्य रोशनी मुझमें समा रही है।मैं सुरक्षित हूँ। मैं संपूर्ण हूँ। मैं स्वतंत्र हूँ। शुरुआत में कुछ महसूस न भी हो, तो भी अभ्यास करते रहें। आप पाएंगे कि यह जुड़ाव धीरे-धीरे गहराता जाएगा। राजयोग की शुरुआत कैसे करें इस संबंध में भी जानकारी दी गई। अलविदा तनाव शिविर के पांचवें दिन सुखी जीवन का रहस्य (परिवर्तन उत्सव) की शुरुवात में अतिथिगण दिलहरण तिवारी योग शिक्षक, नीलिमा साहू, पप्पू रवानी पत्रकार, भावना पटेल, रामेश्वरी प्रेरणा लीनेश ग्रुप, रीना साहू, गर्ल्स कॉलेज प्रिंसिपल विनीता गौतम द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ, बेमेतरा के सैकड़ों गणमान्य नागरिक अलविदा तनाव शिविर के पांचवें दिन सुखी जीवन का रहस्य (परिवर्तन उत्सव) में शामिल हुए।

ब्रह्माकुमारीज बेमेतरा सेवा केंद्र प्रभारी शशि दीदी ने सभी अतिथियों और नगर वासियों का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

पालना सहायिका के रिक्त पद पर आवेदन 17 नवम्बर तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना सरकंडा अंतर्गत नगर निगम बिलासपुर के वार्ड क्र 68 गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के पास दैहान पारा छोटी कोनी में पालना सहायिका के 1 रिक्त पद पर 17 नवम्बर 2025 तक आवेदन किये जा सकते है। इच्छुक आवेदिका 17 नवम्बर तक कार्यालय में सीधे अथवा पंजीकृत डाक से आवेदन कर सकती है। आवेदन के संबंध में अधिक जानकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना सरकण्डा के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है।

सहकारी समिति का निर्वाचन कार्यक्रम जारी

बिलासपुर। भारतीय खाद्य निगम कर्मचारी साख सहकारी समिति मर्यादित बिलासपुर का निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया गया है। समिति के रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि संचालक मंडल के सदस्यों के निर्वाचन के लिए 10 नवम्बर को नामांकन पत्र प्राप्त किया जाएगा। 16 नवम्बर को आमसभा आहूत कर मतदान एवं उसके पश्चात मतगणना की जाएगी। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष का निर्वाचन 22 नवम्बर को किया जाएगा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त पद पर आवेदन 18 नवम्बर तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना कोटा अंतर्गत ग्राम पंचायत टांटीधार के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र बगथपरा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 1 रिक्त पद पर 18 नवम्बर 2025 तक आवेदन किये जा सकते है। इच्छुक आवेदिका बंद लिफाफे में सीधे अथवा पंजीकृत डाक से एकीकृत बाल विकास परियोजना कोटा में आवेदन कर सकती है। आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आवेदिका उसी ग्राम की स्थायी निवासी होनी चाहिए जिस ग्राम में आंगनबाड़ी केंद्र स्थित है। आवेदिका का 12वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

पुरी-उधना-पुरी स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन का पश्चिम रेलवे के धरणगाँव स्टेशन में ठहराव की सुविधा

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली गाड़ी संख्या 08471/08472 पुरी-उधना-पुरी स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन का 02 मिनट का ठहराव पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के धरणगाँव स्टेशन में दिया गया है । विवरण इस प्रकार है -दिनांक 03 नवम्बर से आगामी आदेश तक पुरी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 08471 पुरी-उधना स्पेशल एक्सप्रेस धरणगाँव रेलवे स्टेशन में दो मिनट ठहराव के साथ चलेगी । यह गाड़ी धरणगाँव स्टेशन 09.50 बजे पहुंचेगी तथा 09.52 बजे रवाना होगी दिनांक 04 नवम्बर से आगामी आदेश तक उधना से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 08472 उधना-पुरी स्पेशल एक्सप्रेस धरणगाँव रेलवे स्टेशन में दो मिनट ठहराव के साथ चलेगी । यह गाड़ी धरणगाँव स्टेशन 20.45 बजे पहुंचेगी तथा 20.47 बजे रवाना होगी

कोरबा ब्लॉक के ग्राम चूइयां एवं इमलीछापर में जिला उपभोक्त I विवाद प्रतितोष आयोग ने उपभोक्त I जागरूकता शिविर का किया आयोजन

कोरबा। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने उपभोक्ताओं को अनुचित व्यापार व्यवहार, धोखाधड़ी, शोषण से बचाने एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए कोरबा ब्लॉक के ग्राम चूइयां एवं इमलीछापर में उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया। इस दौरान आयोग की अध्यक्षा रंजना दत्ता, एवं सदस्य पंकज कुमार देवड़ा ने ग्रामीणों को उपभोक्ता अधिकारों से अवगत कराया। छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग के निर्देशानुसार कोरबा जिला उपभोक्ता आयोग द्वारा प्रत्येक माह ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 31 अक्टूबर को कोरबा विकासखण्ड के ग्राम चूइयां एवं इमलीछापर में उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें आयोग की अध्यक्षा रंजना दत्ता एवं सदस्य पंकज कुमार देवड़ा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए ई फाइलिंग, ई हियरिंग सहित उपभोक्ता कानूनों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अब उपभोक्ता घर बैठे ही ई फाइलिंग एवं ई हियरिंग के माध्यम से शिकायत दर्ज कर अपना पक्ष रख सकते हैं। शिविर में उपभोक्ताओं को शुल्क अनुचित व्यापार प्रथा सहित बैंक, बीमा, फसल बीमा, बैंक फ्रॉड, फायनेंस आनलाइन खरीददारी सहित अन्य क्षेत्रों के संबंध में उपभोक्ताओं को शासन द्वारा दिए गए अधिकार के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की गई आयोग के डाटा एण्ट्री ऑपरेटर मनीराम श्रीवास द्वारा भी उपभोक्ता कानूनों के संबंध में जानकारी दी।

दक्षता और गति का प्रतीक बना दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

केवल 216 दिनों में 150 मिलियन टन माल लदान का कीर्तिमान

बिलासपुर/ संवाददाता

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने एक बार फिर दक्षता और गति का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान केवल 216 दिनों में 150 मिलियन टन माल लदान का कीर्तिमान बनाकर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने अपनी उत्कृष्ट कार्यक्षमता का परिचय दिया है। पिछले चार वर्षों के दौरान, वर्ष 2022-23 में जहाँ 150 मिलियन टन माल लोडिंग का आँकड़ा 265 दिनों में पूरा हुआ था, वहीं 2023-24 में यह उपलब्धि 244 दिनों में, 2024-25 में 226 दिनों में, और अब वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में केवल 216 दिनों में हासिल की गई है, जो कि माल लदान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा अब तक का सर्वाधिक तेज़ प्रदर्शन है। यह उपलब्धि भारतीय रेलवे के समग्र विकास में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की अग्रणी भूमिका को रेखांकित करती है। यह सफलता कोयला, इस्पात, सीमेंट, खाद्यान्न और खनिज पदार्थों जैसे प्रमुख औद्योगिक व ऊर्जा संसाधनों की समयबद्ध और सतत आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए प्राप्त की गई है। साथ ही, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे देश के विभिन्न तापघरों, इस्पात संयंत्रों एवं कारखानों को कोयला और अयस्क की निरंतर आपूर्ति कर देश के औद्योगिक विकास को गति प्रदान कर रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत तीनों रेल मंडलों बिलासपुर, रायपुर और नागपुर ने इस सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। माल ढुलाई में लगातार बढ़ती दक्षता से यह स्पष्ट है कि रेलवे की संरचनात्मक और परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। लाइन दोहरीकरण, तीसरी एवं चौथी लाइन निर्माण, यार्ड आधुनिकीकरण तथा विद्युतीकरण जैसे कार्यों ने गति और क्षमता दोनों को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है। माल परिवहन के साथ-साथ यात्री परिवहन के क्षेत्र में भी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस अवधि में विभिन्न पर्व एवं त्यौहारों के दौरान विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया गया। श्रावण मास के दौरान श्रावणी स्पेशल ट्रेनें, दुर्गा पूजा, दशहरा और दिवाली पर्वों पर पूजा स्पेशल ट्रेनें, तथा छठ पूजा के अवसर पर छठ स्पेशल ट्रेनें चलाकर यात्रियों को सुविधाजनक और सुरक्षित यात्रा का अवसर प्रदान किया गया। भारतीय रेलवे में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की यह उपलब्धि न केवल संचालन दक्षता का प्रमाण है, बल्कि यह देश की औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती प्रदान करने में इसकी अग्रणी भूमिका को भी दर्शाती है। हर टन के साथ आगे बढ़ता भारत के मंत्र को साकार करते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भविष्य में भी अपनी सेवाओं की गुणवत्ता, समयबद्धता और पारदर्शिता को और सुदृढ़ बनाते हुए, यात्रियों व उद्योगों दोनों के लिए भरोसेमंद सहयोगी बना रहेगा।

केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन ने दिव्यांगजनों को दिए ट्रायसायकल एवं व्हीलचेयर....

■ ट्रायसायकल और व्हीलचेयर पाकर खिले दिव्यांगजनों के चेहरे

बिलासपुर। जिला स्तरीय राज्योत्सव 2025 के अंतर्गत आयोजित भव्य समारोह में केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू के हाथों ट्रायसायकल और व्हीलचेयर पाकर दिव्यांगजनों के चेहरे खिल उठे। पुलिस परेड मैदान में आयोजित राज्योत्सव के भव्य कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए जिले के दिव्यांगजन हितग्राहियों को व्हीलचेयर एवं ट्रायसायकल प्रदान किए। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025 का भव्य आयोजन 2 से 4 नवम्बर तक पुलिस परेड मैदान बिलासपुर में किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत बिल्हा के देवकिरारी निवासी रामअवतार धोबी एवं मस्तूरी भदौरा के रमेश पात्रे को मोटराइज्ड ट्रायसायकल, चांटीडीह की अनारकली ईरानी और खजुरी नवागांव की देवारी यादव को व्हीलचेयर, वहीं बिल्हा के धमनी निवासी सुखदेव लाल सूर्यवंशी एवं तिफरा के राजू साहू को ट्रायसायकल प्रदान की गई। सभी ने कहा कि अब हमें दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। हमारी मुश्किलें अब कम हो जाएंगी। उन्होंने लाभान्वित दिव्यांगजनों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

जिला अस्पताल में जन औषधि केंद्र के नए भवन का शुभारंभ किया.....

बिलासपुर। भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा बिलासपुर द्वारा जिला अस्पताल परिसर में संचालित प्रधानमंत्री जनऔषधि केन्द्र अपने नये भवन में आज से शुरू हो गया है। संभागायुक्त सुनील जैन एवं कलेक्टर संजय अग्रवाल ने फीता काटकर नये भवन का औपचारिक शुभारंभ किया। उन्होंने दुकान का अवलोकन कर उपलब्ध दवाईयों की जानकारी ली। इन केन्द्रों का उद्देश्य लोगों को सस्ती एवं गुणवत्ता पूर्ण दवाईयां उपलब्ध कराना है। इन दवाईयों पर 50 से 90 प्रतिशत तक छूट मिलती है। इससे गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। श्री जैन ने सभी चिकित्सकों को जेनेरिक फार्मुला के तहत ही दवाईयां ही लिखने के निर्देश दिए। यह केन्द्र पूर्व में जिला अस्पताल परिसर के पीछे संचालित हो रहा था। अब

इसे सामने में शिफ्ट किया गया है। इस अवसर पर सोसायटी प्रबंध समिति के चेयरमेन डॉ.बीएल गोयल, सचिव एवं सीएमएचओ डॉ. शुभा गरेवाल, सिविल सर्जन डॉ. अनिल गुप्ता, सोसायटी के जिला समन्वयक सौरभ सक्सेना सहित रेडक्रास सोसायटी के सदस्य, चिकित्सक एवं सोसायटी के कर्मचारी उपस्थित थे।

अदाणी फाउंडेशन की प्रोजेक्ट उड़ान के तहत सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने देखा केपीएल संयंत्र का संचालन

कोरबा। शासकीय स्कूलों के उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों एवं छात्राओं को उद्यमशीलता की भावना विकसित करने के उद्देश्य से अदाणी समूह ने कोरबा जिले में उड़ान परियोजना की शुरुआत की है। इसी परिप्रेक्ष्य में सोमवार से शुक्रवार तक कुल 250 विद्यार्थियों ने ग्राम पताड़ी स्थित कोरबा पॉवर लिमिटेड (केपीएल) में भ्रमण किया। अदाणी फाउंडेशन की इस उड़ान परियोजना में जिले के सभी पाँच ब्लाकों के 170 से अधिक स्कूलों के लगभग 7000 विद्यार्थियों को कोरबा पॉवर लिमिटेड में शैक्षणिक भ्रमण कराने का लक्ष्य है। दरअसल समूह के चेयरमैन श्री गौतम अदाणी का कहना है, कि छात्रों और युवाओं को ष्बड़े सपने देखनेष् और अपनी क्षमता पर विश्वास करने के लिए प्रेरित होना चाहिए। जिसे अमल में लाने हेतु अदाणी फाउंडेशन द्वारा प्रोजेक्ट उड़ान के तहत् समूह द्वारा क्षेत्र में स्थापित परियोजनाओं में शैक्षिक भ्रमण आयोजित करके भारतीय युवाओं को प्रेरित और प्रोत्साहित करने की अनुपम पहल कर रहा है। जिससे उन्हें बड़े सपने देखने, उद्यमशीलता की भावना विकसित करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले सफल व्यक्ति बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इसका मुख्य उद्देश्य बड़े पैमाने पर व्यावसायिक संचालन का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना और छात्रों को अपनी क्षमता को समझने में मदद करना है। कोरबा जिले में उड़ान पहल के पहले चरण की शुरुआत सितंबर माह से की गई। जिसमें जिला प्रशासन के सहयोग से कुल 170 स्कूलों के करीब 155 प्राचार्यों व शिक्षकों को अदाणी समूह के बरपाली तहसील में स्थित केपीएल में भ्रमण कराया गया।

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 4 नवम्बर से जानकारी लेने घर-घर पहुचेंगे बीएलओ...

■ 3800 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी काम में लगे

■ कलेक्टर ने सहयोग करने लोगों से की अपील

बिलासपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान कल 4 नवम्बर से शुरू होगा। एक माह तक चलने वाला अभियान 4 दिसम्बर तक चलेगा। जिले में अभियान की प्रशासनिक तैयारी पूरी हो गई है। इस काम में लगभग 3800 अधिकारी-कर्मचारी लगे हुए है। जिले की सभी छह विधानसभा क्षेत्रों की 1 हजार 815 मतदान केंद्रों को आधार मानकर यह विशेष अभियान चलेगा। अभियान के दौरान बूथ लेवल अफसर (बीएलओ) घर-घर पहुंचकर जानकारी लेंगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल ने अभियान में सहयोग करने की अपील की है। जिले में कुल 1815 मतदान केंद्रों पर यह अभियान संचालित किया जा रहा है। जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों - कोटा, तखतपुर, बिल्हा, बिलासपुर, बेलतरा और मस्तुरी में व्यापक तैयारियाँ की गई हैं। कोटा विधानसभा क्षेत्र में 232, तखतपुर में 348, बिल्हा में 262, बिलासपुर में 271, बेलतरा में 308 तथा मस्तुरी विधानसभा क्षेत्र में 394 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। विधानसभा क्षेत्रवार कोटा के लिए 232, तखतपुर के लिए 348, बिल्हा के लिए 262, बिलासपुर

के लिए 271, बेलतरा के लिए 308 एवं मस्तुरी के लिए 394 बीएलओ इस प्रकार 1815 बीएलओ नियुक्त किये गये है। इस विशेष पुनरीक्षण अभियान में बूथ स्तर अधिकारी की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। प्रत्येक बीएलओ को अपने-अपने मतदान क्षेत्र में घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने की जिम्मेदारी दी गई है। बीएलओ प्रत्येक परिवार से संपर्क कर गणना प्रपत्र भरवाएँगे। बीएलओ द्वारा एकत्रित सभी फॉर्म और दस्तावेज़ों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। तत्पश्चात उन्हें निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी या सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को प्रस्तुत किया जाएगा। बीएलओ यह भी सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक मतदाता को मतदाता सूची में अपना नाम, पते और अन्य विवरण सही रूप में दर्ज मिले। इसके साथ ही वे मतदाताओं को यह जानकारी भी देंगे कि यदि किसी प्रकार की त्रुटि या चूक पाई जाती है, तो वे दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। ऑनलाइन सुविधा भी उपलब्ध- नागरिक https:// voters. eci.gov.in वेबसाइट पर जाकर भी अपना फॉर्म भर सकते हैं या दस्तावेज़ अपलोड कर सकते हैं। बीएलओ ऑनलाइन आवेदनकर्ताओं के दस्तावेजों का भौतिक सत्यापन करेंगे।

रेल मंत्रालय ने विशेष अभियान 5.0 में सक्रिय रूप से भाग लिया,स्वच्छता,लंबित मामलों के निपटान और रिकॉर्ड प्रबंधन में पिछली उपलब्धियों को पीछे छोड़ा........

■ रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों और कार्यस्थलों पर 84,184 स्वच्छता अभियान चलाए गए; 6.06 लाख वर्ग फुट जगह मुक्त हुई और कबाड़ निपटान के माध्यम से 570 करोड़ रुपये प्राप्त हुए

■ जन जागरूकता बढ़ाने के लिए 105 अमृत भारत स्टेशनों सहित प्रमुख स्टेशनों पर 'अमृत संवाद' आयोजित किया गया; 22,636 सोशल मीडिया पोस्ट ने राष्ट्रव्यापी स्वच्छता आंदोलन में व्यापक भागीदारी

बिलासपुर। रेल मंत्रालय ने प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक शुरू किए गए एक महीने के विशेष अभियान 5.0 में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य स्वच्छता, लंबित मामलों का निपटान और प्रभावी अभिलेख प्रबंधन करना था। यह अभियान रेलवे बोर्ड की गहन निगरानी और मार्गदर्शन में सभी क्षेत्रीय रेलवे और उत्पादन इकाइयों में लागू किया गया। विशेष अभियान 5.0 के तहत रेल मंत्रालय का निष्पादन विशेष अभियान 4.0 के दौरान दर्ज की गई उपलब्धियों से आगे निकल गया है। अभियान अवधि के दौरान, रेल मंत्रालय ने स्टेशनों, कार्यालयों और कार्यस्थलों में 84,184 स्वच्छता अभियान चलाए। कार्यालयों और कार्यस्थलों में कबाड़ के निपटान पर विशेष जोर दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप 6.06 लाख वर्ग फुट जगह खाली हुई और 570 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। रेलवे बोर्ड के सशक्त नेतृत्व में, मंत्रालय ने जन शिकायतों, वीआईपी संदर्भों और अन्य लंबित मामलों के निपटान से संबंधित निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत हासिल किया। कुल 99,968 फाइलों की समीक्षा की गई, जिनमें से 59,248 भौतिक फाइलें और 7,482 ई-फाइलें हटा दी गईं या बंद कर दी गईं। जन जागरूकता बढ़ाने के लिए, 105 अमृत भारत स्टेशनों सहित सभी प्रमुख स्टेशनों पर 'अमृत संवाद' के रूप में नागरिक-केंद्रित पहल आयोजित की गईं। गतिविधियों की व्यापक सोशल मीडिया कवरेज ने भी देश भर में मंत्रालय द्वारा प्रचारित स्वच्छता आंदोलन के प्रति जागरूकता और रुचि पैदा की। कार्यान्वयन अवधि के दौरान विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम) पर कुल 22,636 पोस्ट और कई बार पुनः पोस्ट किए गए पोस्ट उच्च स्तर की सहभागिता का संकेत देते हैं। ये उपलब्धियां सभी स्तरों पर रेलवे कर्मचारियों के मजबूत प्रयासों और वर्षों से विशेष अभियान के उद्देश्यों के प्रति मंत्रालय की निरंतर प्रतिबद्धता को उजागर करती हैं।

नियमों के पालन पर अडिग बालको,आवास खाली पर अब कोई समझौता नहीं

कोरबा। बालको सेवानिवृत्त मैत्री संघ, कोरबा ने हाल ही में नवनिर्मित बालको सेवानिवृत्त कर्मचारी संगठन (बीएसकेएस) द्वारा 29 अक्टूबर 2025 को लगाए गए जबरदस्ती क्वार्टर खाली कराने के आरोपों को पूरी तरह भ्रामक, तथ्यहीन और गलत बताया है। संघ ने कहा कि बालको प्रबंधन सदैव अपने कर्मचारियों और सेवानिवृत्त साथियों के प्रति सम्मानजनक और मानवीय दृष्टिकोण रखता आया है। संगठन ने सभी से कंपनी के नियमों और अनुशासन का सम्मान करते हुए सहयोग बनाए रखने की अपील की, ताकि परिसर में बालको की परंपरा और सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहें। मिली जानकारी के अनुसार, जनप्रतिनिधियों के आग्रह पर बालको प्रबंधन ने स्वयं 31 अक्टूबर तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई को स्थगित रखा और सभी सुविधाएँ यथावत बनाए रखीं। कंपनी का उद्देश्य किसी भी सेवानिवृत्त कर्मचारी को परेशान करना नहीं है, बल्कि कंपनी की संपत्तियों का नियमानुसार पुनः अधिग्रहण करना है, ताकि उन्हें वर्तमान पात्र कर्मचारियों को आवंटित किया जा सके। बालको सेवानिवृत्त मैत्री संघ ने किया कार्यवाही का समर्थन बालको सेवानिवृत्त मैत्री संघ, कोरबा, जो बालको के पूर्व कर्मचारियों का सबसे पुराना।

सिगरेट के धुएं से भी ज्यादा खतरनाक है अगरबत्ती का धुआं

हाल ही एक शोध में बताया गया है कि धूपबत्ती या अगरबत्ती का धुआं सिगरेट के धुएं से भी ज्यादा खतरनाक है। इसमें पाए जाने वाले पॉलीएरोमैटिक हाइड्रोकार्बन अस्थमा, कैंसर, सरदर्द और खांसी जैसी बीमारियों का कारण बन सकते है। इससे सांस की समस्याओं के साथ कई और समस्याएं हो सकती है। आइए जानते है अगरबत्ती का धुआं किन बीमारियों का कारण बन सकता है।

अस्थमा की समस्या

इसमें मौजूद नाइट्रोजन और सल्फर डाईऑक्साइड गैस सेहत के लिए हानिकारक होती है। अगरबत्ती के धुएं से निकलने वाली कार्बनमोनो ऑक्साइड शरीर में जाकर फेफड़ों को नुकसान पहुंचाती है। इसके वजह से फेफड़ों के रोग के साथ जुकाम और कफ की समस्या भी हो जाती है।

हार्ट अटैक का खतरा

इसके धुएं में लगातार सांस लेने से दिल की कोशिकाएं सिकुड़ने लगती है। लगातार ऐसा होने से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

आंखो के लिए हानिकारक

धुएं में मौजूद हानिकारक केमिलक आंखों में खुजली, जलन और स्किन एलर्जी का कारण बन सकते है। इसके धुएं के कारण आंखों की रोशनी खराब होने का डर भी रहता है।

श्वसन कैंसर का खतरा

ज्यादा समय तक इसका धुआं शरीर में जाने से श्वसन कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। धूम्रपान के साथ-साथ अगरबत्ती का धुआं भी इस कैंसर के खतरे को बढ़ाता है।

डाइट में नहीं है घी, 5 फायदे पाने से चूक रहें आप, डाइजेशन से लेकर ब्रेन और हार्ट के लिए जबरदस्त

घी, एक ऐसा सुपरफूड, जिसे अक्सर लोग विलेन साबित करने में लगे रहते हैं, अपने वेट गेन के लिए, बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल के लिए और लगभग संभावित हर स्वास्थ्य समस्या के लिए। लेकिन आयुर्वेद और मॉर्डन साइंस का विचार आपसे बिल्कुल विपरीत है। आयुर्वेद और साइंस का कहना है सही मात्रा में घी खाना वास्तव में आपकी हेल्थ के लिए बहुत अच्छा है। इससे आपका शरीर हील होता है। सीमित मात्रा में घी का सेवन आपकी गट को सपोर्ट करता है, आपके ब्रेन को फ्यूल देता है और इम्यूनिटी को बढ़ाता है। घी के फायदे यहीं पर खत्म नहीं होते हैं बल्कि अगर आप रेगुलर घी का सेवन करते हैं तो आपको अनगिनत लाभ मिल सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता पांचाल ने अपनी एक पोस्ट में घी खाने के फायदों के बारे में विस्तार से जानकारी दी है।

रोजाना घी खाने के फायदे

अगर आपको भी लगता है कि घी अनहेल्दी है और आपको अपनी डाइट में बिल्कुल भी घी को शामिल नहीं करना चाहिए तो आप गलत हैं। क्योंकि समस्या घी नहीं है, प्रॉब्लम यह है कि हम इसका उपयोग कैसे करते हैं। अगर आप हर मील में इसे ओवरलोड करते हैं तब यह समस्या खड़ी कर सकता है, लेकिन अगर आप सीमित मात्रा में घी खाते हैं तो आपको निम्नलिखित फायदे मिल सकते हैं।

ब्रेन और हार्ट के लिए फायदेमंद

इसके अलावा शायद ही आपको पता हो कि घी आपके ब्रेन और हार्ट हेल्थ के लिए बहुत अच्छा है। कई लोग मानते हैं कि यह कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है लेकिन सच तो ये है कि इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है, जो मस्तिष्क और हृदय के लिए बहुत अच्छा होता है। हां लेकिन इसे अधिक मात्रा में खाने से बचें।

डाइजेशन होता है बेहतर

डाइट में घी शामिल करने से आपकी गट हेल्थ और डाइजेशन बेहतर होता है। यह आपके प्राकृतिक पेट के एसिड को बढ़ाकर पाचन में सहायता करता है। ऐसे में अगर आप पाचन संबंधी समस्या से जूझते हैं तो घी खा सकते हैं।

इम्यूनिटी होती है मजबूत

अगर आपकी इम्यूनिटी कमजोर है तो आपके लिए घी का सेवन बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। क्योंकि घी में मौजूद ब्यूटिरिक एसिड आपकी प्रतिरक्षा को मजबूत करता है। साथ ही आपकी आंत की परत को भी मजबूती देता है।

बाल और स्किन होती है बेहतर

घी एक ऐसा सुपरफूड है, जिसे तमाम ब्यूटी और हेयर होम रेमिडीज में इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा इसे डाइट में शामिल करना भी आपकी त्वचा और बालों के स्वास्थ्य में मदद करता है। क्योंकि इसमें हेल्दी फैट्स मौजूद होते है, जो आपकी त्वचा और बालों की हेल्थ में सुधार करते हैं।

कुकिंग के लिए बेहतर ऑप्शन

घी को कुकिंग के लिए भी बहुत अच्छा विकल्प माना जाता है। दरअसल, इसका स्मोक प्वाइंट काफी अधिक होता है, इसलिए सभी इंडियन कुकिंग में आप इसे इस्तेमाल कर सकते हैं।

ब्रेन स्ट्रेस को कम करने के कुछ आसान उपाय

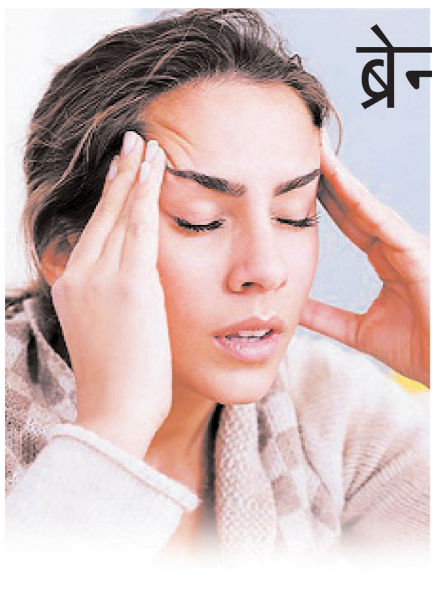

बिजी शेड्यूल और भागदौड़ भरी लाइफ के कारण आजकल ज्यादातर लोग किसी न किसी काम को लेकर परेशान रहते है। ज्यादा सोचने, स्ट्रेस और टेंशन लेने के कारण इंसान के दिमाग पर बुरा असर होता है, जिससे दिमागी तनाव, डिप्रेशन या माइग्रेन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे व्यक्ति चिड़चिड़ा और उदास रहने लगता है। कई बार तो वह किसी से बात तक करना पसंद नहीं करता। व्यवहार में आए इस तरह के परिवर्तन से व्यक्ति के दिमाग के साथ-साथ सामाजिक जीवन पर भी बुरा असर होता है। अपने आस-पास के माहौल को सही रखकर दिमगी तनाव को कम किया जा सकता है। आज हम आपको ब्रेन स्ट्रेस को कम करने के लिए ऐसे ही कुछ आसान उपाय बताएंगे, जिन्हें अपना कर आप दिमागी तनाव को कम कर सकते है।

डायरी लिखना

दिमागी तनाव को कम करने का सबसे बढ़िया तरीका है अपनी बात को लिखना। रात को सोने से पहले या किसी भी समय एक पन्ने या डायरी में अपनी परेशानियों को लिखना शुरू करें। उन बातों को लिखने के बाद धीरे-धीरे भूलने की कोशिश करें। ऐसा करने से कुछ ही दिनों में आपकी चिंता खत्म होने के साथ ही दिमागी परेशानी भी कम होगी।

ज्यादा न सोचे

जरूरत से ज्यादा सोचने से शरीर को कई सारी बीमारियों का सामना करना पड़ता है। लगातार सोचते रहने से दिमाग काम करना बंद कर देता है। इससे कई बार दिमागी और मानसिक परेशानी होने लगती है। जब भी आपको किसी बात की चिंता हो तो उसको अपने किसी दोस्त या परिवार वालों के साथ शेयर करे और जितना हो सके कम सोचें।

जॉगिंग

जॉगिंग करने से टेंशन और डिप्रेशन कम होता है। रोजान सुबह जॉगिंग करने से दिमाग को ताजी हवा मिलती है। ब्लड सर्कुलेशन ठीक ढ़ग से होने के कारण दिमाग की कोशिकाएं सही तरह से काम करती है। इससे ब्रेन स्ट्रेस कम होता है।

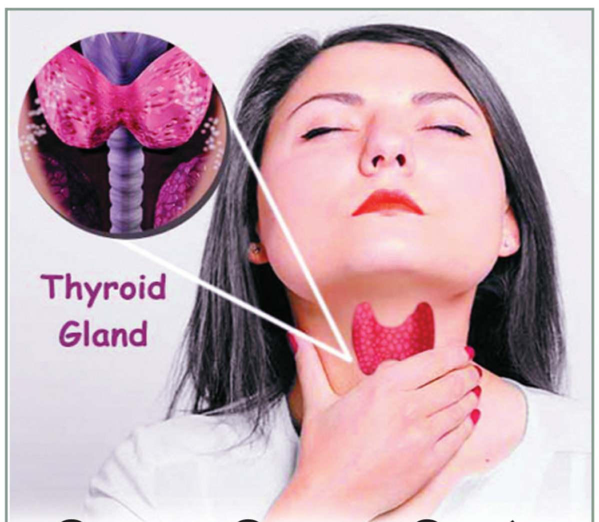

नींद की कमी से होता है थायराइड

अगर आप ये सोचती हैं कि आप अपने बारे में सब कुछ जानती है तो ऐसा नहीं है। शरीर और सेहत से जुड़ी ऐसी बहुत-सी बातें हैं, जो ज्यादातर महिलाओं को पता ही नहीं होती और आज हम आपको उसी के बारे में बताएंगे। तो चलिए आपको बताते हैं वो बातें, जिसे जानना हर महिला के लिए जरूरी है।

ज्यादा कसरत से होते हैं पीरियड्स अनियमित

महिलाएं वजन कंट्रोल करने के लिए हद से ज्यादा व्यायाम करने लगती हैं लेकिन ज्यादा कसरत करने से पीरियड्स अनियमित हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप नियमित मात्रा में एक्सरसाइज करें। साथ ही कसरत के बाद शरीर में हुई पानी की कमी को दूर करने के लिए दूध का सेवन करें।

व्हाइट डिस्चार्ज की समस्या

पीरियड्स के बाद होने वाले डिस्चार्ज को लेकर परेशान न हों। इसके अलावा नार्मली होने वाला डिस्चार्ज भी अगर सफेद और साफ है तो आपको टेंशन लेने की कोई जरूरत नहीं है। मगर डिस्चार्ज का रंग हल्का पीला होने या उसमें से बदबू आने पर आपको तुरंत चेकअप करवाना चाहिए।

कम नींद से थायरॉइड

यह तो सभी जानते हैं कि भरपूर नींद अच्छी सेहत के लिए बहुत जरूरी है। मगर क्या आपको पता है कि 70% महिलाओं को थायराइड की समस्या नींद की कमी से होती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप अपनी पूरी नींद लें।

नाखूनों का बढ़ना

महिलाओं के नाखूनों की तुलना में पुरुषों के नाखून तेज गति से बढ़ते हैं। ऐसा हार्मोस के कारण होता है। साथ ही नाखून के बढ़ने की गति गर्मियों में अधिक तेज होती है क्योंकि उस दौरान शरीर को ज्यादा मात्रा में विटामिन डी मिलता है।

धूप के कारण होती है झुर्रियां

महिलाएं अक्सर कम उम्र में झुर्रियां पड़ने को लेकर परेशान रहती है। मगर आप यह नहीं जानती कि 80% महिलाओं में झुर्रियां अत्यधिक धूप के कारण होती हैं। इसे दूर करने के लिए महिलाएं बोटॉक्स सर्जरी का सहारा लेती हैं लेकिन आप विटामिन सी का सेवन कर झुर्रियां को दूर कर सकती है।

पीरियड्स का ज्यादा ब्लीडिंग है डिसमेनोरिया का संकेत

पीरियड्स के दौरान प्राइवेट पार्ट में दर्द हल्का दर्द होना सामान्य है। कई बार वेजाइना का यह दर्द बर्दाश्त करना मुश्किल हो जाता है। अगर हर बार इस तरह की तकलीफ हो रही है तो वह डिसमेनोरिया का संकेत हो सकता है। यह युमेन हेल्थ कंडीशन है जो 7 में से 1 महिला को हो सकती है। महिलाओं को पुरुषों से ज्यादा होती है नींद की जरूरत महिलाएं मल्टीटास्किंग होती हैं, जिसकी वजह से वो घर व ऑफिस में मेंटल एनर्जी का पुरुषों से ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। अगर वो भरपूर नींद न लें तो खपत हुई ऊर्जा को दोबारा बनाए रखने में बहुत परेशानी होती है। धीरे-धीरे इसका असर उनकी सेहत पर भी पड़ता है इसलिए उन्हें पुरुषों से ज्यादा नींद की जरूरत होती है।

अंडा एक ऐसा सुपरफूड है, जिसमें प्रोटीन, कैल्शियम, ओमेगा-3 फैटी एसिड विटामिन ए और बी की भरपूर मात्रा होती है। इसका रोजाना सेवन शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद करता है। वहीं हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार रोजाना 1 अंडा खाने से डायबिटीज का खतरा कम होता है।

टाइप-2 डायबिटीज का खतरा कम करता है अंडा

इस स्टडी की रिपोर्ट के सामने आने के बाद कई दूसरे वैज्ञानिक इसका विरोध कर रहे हैं क्योंकि डायबिटीज में अंडा खाने को लेकर शोधकर्ताओं की राय अलग-अलग है। जहां कुछ वैज्ञानिक इसका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद मानते है वहीं अन्य शोधकर्ताओं के हिसाब से डायबिटीज के मरीजों को अंडे का सेवन नहीं करना चाहिए।

हफ्ते में कितने अंडे खाना है सुरक्षित?

इस नई स्टडी के अनुसार, हफ्ते में 3 अंडे खाना बिल्कुल सुरक्षित है। अगर आपको डायबिटीज है तो अंडे को उबालकर ही खाएं।

फायदेमंद है अंडे का सेवन

जो पुरुष रोजाना अंडे का सेवन करते हैं उनके खून में लिपिड की मात्रा थोड़ी ही पाई जाती है, जिससे इस बीमारी का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। अंडा सेहत को कई तरीके से फायदा पहुंचाता है। फिलहाल अंडा खाने या ना खाना अभी तक शोधकर्ताओं के लिए पहेली ही बना हुआ है। हालांकि इस नई स्टडी के नतीजों में दावा किया है कि रोजाना एक अंडा खाने से डायबिटीज का खतरा कुछ हद तक कम हो जाता है।

कैसे और कब खाना चाहिए अंडा

रोजाना 2 उबले हुए अंडे खाने से शरीर कई बीमारियों से बचाया जा सकता है। अंडा को ब्रेकफास्ट के रूप में खाने से शरीर को सबसे ज्यादा फायदा मिलता है। जिम जाने वाले लोगों को कच्चा अंडा दूध में मिलाकर खाना चाहिए। इसके अलावा कच्चे अंडे की जर्दी (एग योक) का सेवन आपको कई गंभीर बीमारियों से बचाता है।

व्हाइट या ब्राउन कौन है बेस्ट?

व्हाइट और ब्राउन दोनों ही अंडों पर काफी बार शोध किया जा चुका है, जिसमें इन दोनों में कोई खास अंतर पता नहीं चला। दोनों के फायदे, क्वॉलिटी, आकार सभी कुछ एक जैसा है। यहां तक दोनों में पोषण भी एक जैसा ही होता है लेकिन ब्राउन अंडे में व्हाइट अंडे से थोड़ा ज्यादा ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है।

अंडा खाने के अन्य फायदे

मजबूत इम्यून सिस्टम

रोजाना ब्रेकफास्ट में एक अंडा खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत है। इससे आप सर्दी-जुकाम जैसे वायरल इंफेक्शन से बचे रहते हैं।

वजन कंट्रोल

अगर आप वजन कंट्रोल करना चाहते हैं तो रोजाना इसका सेवन जरूर करें। इससे दिनभर पेट भरा रहता है, जिससे आप ओवरईटिंग से बच जाते हैं और आपका वजन कंट्रोल में रहता है।

आंखों व दिमाग के लिए फायदेमंद

इसमें कॉलिन और कैरोटिनायड्स नाम का पोषक तत्व होता है, जो आंखे व दिमाग के लिए बेहद फायदेमंद है।

स्वस्थ दिल

इसका सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है, जिससे दिल स्वस्थ रहता है और आप हार्ट अट्रैक जैसी समस्याओं से बचे रहते हैं।

टैक्स नहीं पटाने पर कटेगा नल कनेक्शन

हर बुधवार को वार्डो में लगेगा शिविर

रिसाली (लोकतंत्र प्रहरी)। नगर पालिक निगम रिसाली अब टैक्स वसूली करने वार्डो तक पहुंचेगा कर्मचारी अलग-अलग वार्डो में शिविर लगायेंगे। आयुक्त मोनिका वर्मा ने शिविर पुरैना के तीनों वार्डो में लगा कर शुरूआत करने के निर्देश दिए है।

उल्लेखनीय है कि टैक्स वसूली और निगम को अपना आय बढ़ाने शासन लगातार दिशा निर्देश दे रही है। इसी परिपेक्ष्य में रिसाली निगम वसूली लक्ष्य को पूरा करने वार्डो में शिविर लगा रही है। इस माह के प्रथम बुधवार को वार्ड 38 स्टोर पारा पुरैना के शिव मंदिर मंच, वार्ड 39 एनएसपीसीएल पुरैना के जगदम्बा चैक और वार्ड 40 पुरैना बस्ती के सामुदायिक भवन में शिविर लगाया जाएगा। शिविर सुबह 10 बजे से लेकर शाम 04 बजे तक लगाया जाएगा।

इसी तरह 12 नम्बर को वार्ड 35 डुण्डेरा पश्चिम सुभाष चैक, वार्ड 36 डुण्डेरा पूर्व दशहरा मैदान मंच, वार्ड 37 जोरातराई बागपारा मंच, 19 नम्बर को वार्ड 32 नेवई भाठा के दुर्गा मंच मैदान, वार्ड 33 नेवई बस्ती पूर्व के सरकारी स्कूल के सामने, वार्ड 34 नेवई बस्ती दशहरा मैदान मंच, 26 नम्बर को वार्ड 13 टंकी मरोदा शीतला कल्याणी मंदिर, वार्ड 14 शीतला कल्याणी मंदिर मरोदा, वार्ड 15 मौहारी भाठा हमर क्लीनीक के सामने, 03 दिसम्बर को वार्ड 16 बीआरपी कालोनी पार्षद ऑफिस के पास, वार्ड 17 शिव पारा स्टेशन मरोदा शीतला मंदिर तालाब के पास, वार्ड 18 एचएससीएल कालोनी दुर्गा मंच के पास, 10 दिसम्बर वार्ड 19 विजय चैक पटेल पारा मंच के पास, वार्ड 20 शंकर पारा में चैपाटी के पास, वार्ड 21 सूर्या नगर स्टेशन मरोदा में पार्षद कार्यालय के पास, 17 दिसम्बर को वार्ड 01 तालपुरी में क्लब हाऊस बी ब्लाक, वार्ड 02 रूआबांधा उत्तर दशहरा मैदान, वार्ड 03 रूआबांधा दक्षिण यादव चैक वार्ड कार्यालय में, वार्ड 04 रूआबांधा पूर्व उप स्वास्थ्य केन्द्र के पास, 24 दिसम्बर को वार्ड 22 मैत्रीकुंज में दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर, वार्ड 23 प्रगतिनगर में परमेश्वरी भवन, वार्ड 24 आजाद मार्केट में क्रास स्ट्रीट जैन भवन में शिविर लगाया जाएगा, 31 दिसम्बर को वार्ड 25 आशीष नगर एवं वार्ड 26 अवधपूरी रिसाली के टंकी ऑफिस कार्यालय में शिवर लगाया जाएगा वहीं वार्ड 27 मैत्रीनगर रिसाली का शिविर हनुमान मंदिर मैत्रीनगर में लगाया जाएगा। शिविर का समापन 07 जनवरी 2026 को होगा। इस दिन शिविर वार्ड 28 सक्तिविहार स्थित हनुमान मंदिर वार्ड 29 लक्ष्मी नगर दुर्गा मंच रिसाली भाठा, वार्ड 30 इस्पात नगर रिसाली गणेश पंडाल, वार्ड 31 शहीद किरण देशमुख वार्ड शिविर सब्जी मार्केट में लगाया जाएगा।

टैक्स जमा नहीं करने पर कटेगा नल कनेक्शन- आयुक्त मोनिका वर्मा ने शिविर में नए टैक्स जमा करने वालों के लिए आई. डी. बनाने के निर्देश दिए है। वहीं लम्बे समय से टैक्स जमा नहीं करने वालें के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिए है। आयुक्त ने टैक्स जमा नहीं करने वाले के खिलाफनल विच्छेदन की कार्यवाही करने कहा है।

जिले में विद्यार्थियों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक एवं आधार अपडेशन कार्य निरंतर जारी

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार 29 अक्टूबर से 08 नवम्बर 2025 जिले के चिन्हित सभी शासकीय व अशासकीय स्कूलों में मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन एवं आधार अपडेशन का कार्य 29 अक्टूबर से निरंतर चल रहा है। 30 अक्टूबर को 1642 विद्यार्थियों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन तथा 292 विद्यार्थियों का आधार अपडेशन किया गया। आज 34 केन्द्रों में शिविर लगाया गया, जिसमें 2043 विद्यार्थियों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन तथा 256 विद्यार्थियों का आधार अपडेशन किया गया।

पशुओ को खुला छोड़ने पर होगी कार्यवाही

भिलाई। नेशनल हाईवे नेहरू नगर चौंक से पावर हाउस चौक तक रोड बाधित करने वाले पशुओं को पकड़ने की कार्यवाही की जा रही है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर बेदखली प्रभारी विनय शर्मा अपने दल के साथ पशुओं को पकड़ने का कार्य कर रहे हैं। पकड़े गये पशुओं को कोसानाला गौठान में रखा जा रहा है। जहां उनके खाने के लिए हरा चारा, पानी की व्यवस्था किया गया है। खटाल संचालको द्वारा पशुओं को खुला छोड़ दिया जाता है, जिसके कारण पशु भटकते हुए सड़को के बीच में आकर बैठ जाते है। नेशनल हाईवे होने के कारण भारी एवं दुपहिया वाहनों का आना-जाना अधिक रहता है। पशुओं के सड़को पर बैठने के कारण वाहन चालकों को दुर्घटना की संभावना बनी रहती है और दुपहिया वाहन चालको को गिरने का डर बना रहता है। जिसे देखते हुए उड़नदस्ता दल सुबह से पशुओं को पकड़कर काउकेचर के माध्यम से गौठान में छोड़ने का कार्य किए हैं।

नगर निगम भिलाई का सभी खटाल संचालको से अपील है, कि अपने पशुओं को खुला न छोड़े। पशुओं के कारण किसी प्रकार की दुर्घटना होती है तो उसकी जवाबदेही खटाल संचालको की होगी और निगम द्वारा कड़ी कार्यवाही की जावेगी।

अतिक्रमण पर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

भिलाई नगर। नगर पालिक निगम भिलाई हाऊसिंग बोर्ड कुरूद में नाली के उपर किये अवैध बाउंड्री वॉल तथा शांति नगर सड़क 2 में न्यायालय के आदेश पर जर्जर भवन को ढहाया गया। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर निगम के जोन 2 वैशालीनगर नगर के राजस्व अमले ने कलेक्टर जनदर्शन में दर्ज शिकायत के आधार पर मकान नं सी एच 878 एवं 879 के मालिक रवि टेककर तथा मकान नं सी एच 876 एवं 877 के मालिक द्वारा अपने आबंटित भूखण्ड के अतिरिक्त नाली पर बाउंड्री वॉल का निर्माण किया गया था जो जांच उपरान्त जामुल पुलिस बल की उपस्थिति में जेसीबी के माध्यम से हटाया गया। वहीं शांतिनगर सड़क 2 में राजपाल सिंह तथा सुमन वानखेड़े के बीच भुखण्ड में किये गये भवन निर्माण को लेकर मान. न्यायालय के आदेश पर बेदखली की कार्रवाई किया गया। कार्रवाई के दौरान भवन अनुज्ञा के उप अभियंता पुरूषोत्तम सिन्हा, चंदन निर्मलकर, जोन 2 सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे, तोड़फोड़ के नोडल अधिकारी विनय शर्मा, सहायक नोडल हरिओम गुप्ता, वार्ड प्रभारी हरि ताम्रकार, प्रतीक तिवारी, मदनमोहन तिवारी, कार्तिक राम, समीर अहमद, मंगल जांगड़े, खेमू सहित जामुल पुलिस बल उपस्थित रहा ।

निगम प्रशासन ने 3 कर्मचारियों को दी स-सम्मान विदाई

भिलाई नगर। नगर पालिक निगम भिलाई निगम में 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके 3 कर्मचारियों को ससम्मान विदाई दी गई। निगम प्रशासन की ओर से कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह, शॉल और श्रीफल भेंट करते हुए सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना किए। इसके पूर्व सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों ने भिलाई निगम में सेवाकाल के दौरान कार्य एवं अनुभव को साझा करते हुए सभी को सामंजस्य बनाकर कार्य करने के लिए प्रेरित किए। निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने गुप्तानंद तिवारी पम्प सहायक, विक्रम सिंह मजदूर एवं उर्मिल दास चंदेल सफाई कामगार को निगम प्रशासन की ओर से स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। बिदाई कार्यक्रम में अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

जमराव में छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस एवं देवउठनी पर भव्य अखाड़ा कला प्रतियोगिता संपन्न

पाटन। ग्राम पंचायत जमराव में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर एक दिवसीय भव्य अखाड़ा कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ की आराध्य देवी छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना एवं राज्य गीत अरपा पैरी के धार के सामूहिक गायन से की गई। इसके पश्चात् मुख्य अतिथि सरपंच जागेश्वरी भेषकुमार सोनकर, पंचगण एवं ग्राम के वरिष्ठजनों द्वारा दीप प्रज्वलन कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया।

आयोजन में कुल 11 अखाड़ा कला दलों ने अपनी-अपनी पारंपरिक कलाओं का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का आगाज सुवा नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति से हुआ, जिसने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आसपास के ग्रामों – अम्लेश्वर, टेकारी, सातरा, रवेली, मुर्रा झीट, महुदा, भाठागांव समेत कई गांवों के दर्शक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और अखाड़ा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में अखाड़ा कला के माध्यम से युवाओं ने छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परंपरा और वीरता की झलक प्रस्तुत की।

इस अवसर पर सरपंच जागेश्वरी भेषकुमार सोनकर ने कहा कि अखाड़ा कला हमारी छत्तीसगढ़ी पहचान है, इसे आगे बढ़ाना हर ग्रामवासी का दायित्व है। ग्रामवासियों की सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू, धान खरीदी नीति के खिलाफ दुर्ग में लामबंद

दुर्ग (लोकतंत्र प्रहरी)। छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी संघ ने प्रदेश सरकार की धान खरीदी नीतियों के विरोध में दुर्ग के मानस भवन के समीप अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। सरकार की नीति में बदलाव से नाराज कर्मचारी 4 सूत्रीय मांगों को लेकर अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं और उन्होंने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, हड़ताल जारी रहेगी।

नीति परिवर्तन से नाराजगी- दरअसल, प्रदेश सरकार ने 17 नवंबर से धान खरीदी शुरू करने के निर्देश दिए हैं, लेकिन मंडी से धान का उठाव अप्रैल माह में किए जाने की बात कही है। कर्मचारियों का मानना है कि इस लंबी अवधि के दौरान धान सूख जाएगा, जिससे उसके वजन में कमी आएगी। इस वजन के अंतर का सीधा खामयाजा सहकारी समितियों के कर्मचारियों को भुगतना पड़ सकता है। कर्मचारियों का आरोप है कि सरकार नीति परिवर्तन तो करती है, मगर उससे होने वाली

व्यावहारिक दिक्कतों को नजरअंदाज कर देती है।

चार सूत्रीय मांगें और एकता- इन्हीं वजहों से प्रदेश भर के कर्मचारी लामबंद होकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी संघ के सदस्यों ने अपनी एकता का परिचय देते हुए चार सूत्रीय मांगों को लेकर धरना शुरू किया है। उनका कहना है कि वे तब तक अपना प्रदर्शन जारी रखेंगे जब तक सरकार उनकी मांगों पर कोई सार्थक पहल नहीं करती। इस हड़ताल से आने वाले दिनों में धान खरीदी प्रभावित होने की आशंका है।

बकायेदारों पर निगम की बड़ी कार्रवाई, नल कनेक्शन काटकर वसूली अभियान को दी गति

दुर्ग। नगर पालिक निगम।नगर निगम दुर्ग ने जल कर एवं संपत्ति कर बकायादारों पर सख्त रुख अपनाते हुए नल काटने की कार्रवाई की। निगम के राजस्व विभाग की टीम ने शहर के विभिन्न वार्डों में अभियान चलाकर तीन बड़े बकायादारों के नल कनेक्शन काटे।वार्ड क्रमांक 03 निवासी बेल्सी बाई / गुहा राम सोनी पर 39,473,वार्ड क्रमांक 02 निवासी सुलोचना बाई / मोहन लाल श्रीवास्तव पर ?46,724,तथा वार्ड क्रमांक 45 निवासी जगदीश केवलतानी/ चोइथ राम पर 54,015 की बकाया राशि होने के कारण यह कार्रवाई की गई। इस दौरान सहायक राजस्व अधिकारी थानसिंह यादव, राजस्व उप निरीक्षक संजय मिश्रा, निशांत यादव, रामखिलावन शर्मा, सहायक राजस्व निरीक्षक महेंद्र धर्मकार, रुपेश नायक, सिद्धांत शर्मा और विवेक सालवनकर उपस्थित रहे। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिन उपभोक्ताओं ने लंबे

समय से टैक्स जमा नहीं किया है, उनके विरुद्ध नल कनेक्शन काटने सहित वसूली की कठोर कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि नगर निगम की सेवाओं का लाभ उठाने के साथ कर न देना अनुचित है, इसलिए निगम प्रशासन सख्त कदम उठाने से नहीं हिचकेगा। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान नियमित रूप से चलाया जाएगा, ताकि शहर में राजस्व वसूली को गति मिल सके और बकायादारों में जवाबदेही की भावना उत्पन्न हो। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि समय पर कर का भुगतान करें और कार्रवाई से बचें।

पथरिया–डोमा–बोरी मार्ग पर शराब भट्ठी खुलने का विरोध, ग्रामीणों में आक्रोश

स्कूल, कॉलेज और अस्पताल मार्ग पर शराब दुकान मंजूर, स्थानीय लोग भड़के; कलेक्टर से शिकायत

लोकतंत्र प्रहरी। दुर्ग । पथरिया-डोमा-बोरी मार्ग पर एक नया शराब भट्ठी खुलने के प्रस्ताव से आसपास के सभी गांवों के लोग आक्रोशित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बोरी गांव सभी शासकीय कार्यों का केंद्र है और इसी रास्ते पर स्कूल, कॉलेज व अस्पताल स्थित हैं। यह कदम छात्रों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा पैदा कर सकता है।

ज्ञापन सौंपने कलेक्ट्रेट दुर्ग पहुंचे ग्रामीणों का कहना है कि, बोरी गांव में तहसील, थाना, शासकीय स्कूल और कॉलेज जैसे महत्वपूर्ण संस्थान हैं। रोजाना सैकड़ों छात्र और ग्रामीण अपने शासकीय कार्यों के लिए इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। प्रस्तावित शराब भट्ठी के पास इन संस्थानों का होना ग्रामीणों के लिए चिंता का विषय है।

ऐसी स्थिति में शराब भट्ठी खुलने से उस क्षेत्र में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा स्वाभाविक रूप से बढ़ जाएगा। इससे स्कूल और कॉलेज जाने वाले बच्चों पर बहुत गलत प्रभाव पड़ेगा और उनका आना-जाना मुश्किल हो जाएगा।

ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से प्रशासन और आबकारी विभाग से अनुरोध किया है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए शराब भट्ठी को किसी दूसरे उचित और रिहायशी इलाके से दूर स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। नहीं तो सभी ग्रामीण जन आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

प्रसिद्ध पंडवानी गायिका पद्म विभूषण डॉ. तीजन बाई एम्स रायपुर में भर्ती, स्वास्थ्य कमजोर

दुर्ग (लोकतंत्र प्रहरी)। पंडवानी की विश्व प्रसिद्ध लोकगायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित डॉ. तीजन बाई को आज उनके गृहग्राम गनियारी से रायपुर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS Raipur) ले जाया गया, जहाँ उनका विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य में कमजोरी के चलते चिकित्सकों की एक विशेष टीम ने उनकी जांच की।

विशेषज्ञों की टीम ने किया परीक्षण- मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार, एम्स रायपुर में मेडिसिन विशेषज्ञ, आहार विशेषज्ञ और न्यूरोलॉजी (स्नायु) विशेषज्ञों की एक संयुक्त टीम ने उनका परीक्षण किया। साथ ही उन्हें फिजियोथेरेपी उपचार भी दिया गया।

याददाश्त में कमी, नियमित देखभाल की सलाह- चिकित्सकों ने बताया कि वर्तमान में डॉ. तीजन बाई जी का स्वास्थ्य काफी कमजोर है। हालांकि, उनका रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) और शुगर का स्तर नियंत्रित है, लेकिन उनकी स्मरण शक्ति (याददाश्त) और लोगों को पहचानने की क्षमता में कमी आई है। शरीर में हो रही अकड़न को कम करने के लिए डॉक्टरों ने उन्हें नियमित रूप से फिजियोथेरेपी कराने की सलाह दी है।

जिला स्तर पर निगरानी- चिकित्सकों ने नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और फॉलोअप के लिए एम्स आने की सलाह दी है। इसके मद्देनजर, जिला स्तर पर एक मेडिकल टीम का गठन किया गया है, जो उनके स्वास्थ्य की नियमित निगरानी कर रही है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में गठित इस टीम में डॉ. शिखर अग्रवाल (प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, भिलाई-3), खुशबू वर्मा (स्टाफ नर्स), किरण कोरिया (श्रस्त्र), और हिमांशु (वार्ड बॉय) शामिल हैं। डॉ. तीजन बाई छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की एक अमूल्य धरोहर हैं, जिन्होंने पंडवानी कला को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई है। प्रदेशभर के लोग उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com